हरिभूमि
# महेन्द्रगढ़-नारनौल भूमि
रोहतक, मंगलवार, 25 मार्च 2025

13 पंचायतों को 1 अप्रैल से सौंपा जाएगा वाटर वर्क्स व सप्लाई कार्य...

14 अटेली अनाज मंडी में सरसों की आवक शुरू, पहले...

MR SCHOOL
Affiliated to CBSE
MITTERPURA | ATELI
A Name of Dedication, Hardwork and Sincerity
।। तमसो मा ज्योतिर्गमय ।।
कोटा की FACULTY अब MR SCHOOL ATELI में
JEE / NEET COACHING with KOTA Faculty Experts
ADMISSION OPEN
Session 2025-26
अब MR में स्कूल व कोचिंग साथ-साथ
SAMBHAV CLASSES
VI to X Foundation Classes
XI to XII JEE / NEET
Special Coaching for CLAT / NDA CA-CPT OLYMPIAD
MITTERPURA, NARNAUL (HR.)
9466945658, 9416903367
mrps530543@gmail.com www.mrpublicschool.com
NARNAUL ROAD, ATELI MANDI
8278085868, 9416903367
mrpsateli@gmail.com www.mrpsateli.in

# लिंगानुपात में सुधार...फिर भी यह तस्वीर! सरेली गांव में पहाड़ के पास मिला नवजात कन्या का शव

हरिभूमि न्यूज ⏭नारनौल

बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ अभियान पर दाग लगाने का काम सरेली गांव की इस घटना ने किया है। सरेली गांव में पहाड़ के पास एक नवजात कन्या का शव मिला है। शव पर बुरी तरह मक्खियां भिनभिनाती दिखाई दी। वहां उस पर कटीली झाड़ी काटकर रखी थी। पास में एक छोटा कंबल, चुन्नी जैसा एक कपड़ा, तेल की शीशी व अगरबत्ती का पैकेट पड़ा मिला। हालांकि इस तरह की घटनाएं कई बार सामने आई है। एक तरफ तो इसी माह महेंद्रगढ़ जिला में लिंगानुपात सुधार होने पर प्रदेश में दूसरा स्थान आने पर मुख्यमंत्री ने सम्मानित किया। दूसरी तरफ एक पखवाड़े बाद ऐसा दृश्य देखने को जिला में मिला है।

- नवजात कन्या के मृत शरीर को दबाया, किसने ऐसा क्यूं किया इस सवाल के तलाश में जुटी पुलिस

पुलिस रिकॉर्ड में अगर नजर दौड़ाएं तो पता चलता है कि इस साल जनवरी से अब तक 111 शिकायतें मायका व ससुराल पक्ष ने एक दूसरे के खिलाफ की। इनमें अधिकांश शिकायत में दहेज मांगने के साथ साथ पहली संतान लड़की होने पर ससुराल पक्ष से जुड़े लोगों द्वारा महिला को ताना देना भी है।

वह बात अलग है कि इनमें से 82 शिकायत डिस्पोज की गई। 18 शिकायत एडीआर और 11 शिकायत थाना में विचाराधीन है। कुल मिलाकर आज जब देश विश्व में अपनी छाप छोड़ रहा है तो उसमें लड़कों के बराबर लड़की अपना पूरा योगदान दे रही है। इसके बावजूद यह दृश्य 'छोटी सोच' को दर्शा रहा है।

हालांकि अनैतिक कार्य का खुलासा ना हो, यह भी इस घटना के पीछे कारण हो सकता है। यह जांच का विषय है। फिलहाल पुलिस ने इस मामले में अज्ञात के खिलाफ बीएनएस की धारा 94 के तहत केस दर्ज किया है। नागरिक अस्पताल में पोस्टमार्टम भी करवाया गया है, यह रिपोर्ट अभी सामने नहीं आई है।

नारनौल। मिट्टी में दबाए नवजात कन्या के शव पर भिनभिनाती मक्खियां। फोटो :हरिभूमि

### इसी माह लिंगानुपात में प्रदेश में दूसरे नंबर पर रहने पर मिला था सम्मान

महेंद्रगढ़ जिला का लिंगानुपात 869 से 903 हुआ है। बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ अभियान के तहत लिंगानुपात सुधार में प्रदेश में महेंद्रगढ़ जिला दूसरे स्थान पर रहा है। इसी माह आठ मार्च को महिला दिवस पर पंचकूला में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री नायब सैनी ने जिला महेंद्रगढ़ प्रशासन को प्रशस्ति पत्र व तीन लाख का चैक देकर सम्मानित भी किया था।

### पुलिस रिकॉर्ड में यह है मामला

निजामपुर क्षेत्र के गांव सरेली वासी शेरसिंह ने पुलिस को शिकायत दी है। शिकायत में बताया है कि रविवार को बकरियों को चराने के लिए पहाड़ के साथ नलों में चरा रहा था। बकरियों को चराते समय नला में देखा कि एक जगह ताजा मिट्टी खुदाई करके कुछ दाबकर ऊपर कटीली झाड़ी काटकर लगा रखी थी। उसके पास एक छोटो कम्बल और एक कपड़ा चुन्नी जैसा, डाबर तेल की शीशी, एक अगरबत्ती का खाली पैकेट खुदाई करके निकालकर देखने पर एक नवजात बच्ची का मृत शरीर मिला है। ऐसा प्रतीत होता है कि किसी अनजान व्यक्ति या औरत ने लड़की होने का पता होने पर गर्भपात कराया है या मृत पैदा होने के कारण समाज से बात छिपाने के लिए इस नवजात लड़की को जंगल में सरेली के पहाड़ के नला में सुनसान जगह पर लाकर गड्ढा खोदकर दबा दिया ताकि किसी को पता नहीं चले और बदबू ना आए। शिकायतकर्ता का कहना है कि नवजात लड़की नाम पता ना मालूम का पोरस्टमार्टम करवाकर मौत के कारणों का पता लगाया जाए। पुलिस को सरेली गांव के सरपंच ने सूचना दी। मौके पर पुलिस टीम पहुंची तो वहां पर शेर सिंह हाजि मिला, जिसके सामने गड्ढा खोदकर देखने पर एक नवजात लड़की का शव सफेद कपड़ा में लिपटा हुआ था। फिर मौके पर घटना स्थल पर सीन ऑफ क्राइम बुलाई गई।

# बेहतर लिंग अनुपात पर सतनाली 2 पंचायत को बेस्ट विलेज अवार्ड

- सरकार व जिला प्रशासन के प्रयास से लिंगानुपात में हो रहा सुधार
- डीसी ने तीन छात्राओं को 75, 45 व 30 हजार रुपये से किया पुरस्कृत

हरिभूमि न्यूज ⏭नारनौल

उपायुक्त डा. विवेक भारती ने कहा कि सरकार की ओर से चलाए जा रहे विभिन्न कार्यक्रमों तथा योजनाओं के चलते लड़कियां अब हर क्षेत्र में राष्ट्र का नाम रोशन कर रही हैं। यह हम सबके लिए बड़े ही गर्व की बात है। डीसी सोमवार को लघु सचिवालय में स्वास्थ्य विभाग की जिला समुचित प्राधिकरण (पीसी) एण्ड (पीएनडीटी) कार्यालय की ओर से आयोजित बेस्ट विलेज अवार्ड वितरण समारोह में बोल रहे थे।

इस बार गांव सतनाली दो पंचायत को लिंग अनुपात (1232) में प्रथम पायदान पर आने पर सरकार की योजना अनुसार गांव की तीन होनहार बेटियों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया। उपायुक्त ने कहा कि प्रधानमंत्री के बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ के नारे को सार्थक करने के लिए जिला प्रशासन महेंद्रगढ़ लगातार प्रयास कर रहा है।

डीसी ने बताया कि सरकार की योजना के अनुसार हर वर्ष स्वास्थ्य विभाग की ओर से बेहतर लिंग अनुपात वाले गांव के सरकारी स्कूल की मैट्रिक कक्षा में अधिक अंक लेने वाली तीन बेटियों को सम्मानित किया जाता है।

इसी कड़ी में सतनाली दे की मैट्रिक परीक्षा में प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान पर रहने वाली तीन बेटियों को क्रमशः 75 हजार, 45 हजार व 30 हजार रुपये की प्रोत्साहन राशि का चेक सौंपा।

नारनौल। होनहार छात्रों को सम्मानित करते डीसी डॉ. विवेक भारती। फोटो : हरिभूमि

### भ्रूण लिंग जांच करने जैसी गतिविधियों की सूचना दें

उपायुक्त डा. विवेक भारती ने कहा कि अगर गांव या शहर में कोई भी व्यक्ति भ्रूण लिंग जांच करने जैसी गतिविधियों में लिप्त रहता है, तो उसकी सूचना जिला प्रशासन, नजदीकी सरकारी अस्पताल या कार्यालय सिविल सर्जन नारनौल में दें। सूचना देने वाले व्यक्ति का नाम व पता गुप्त रखा जाता है। सरकार की तरफ से प्रोत्साहन के रूप में एक लाख रुपये की राशि भी दी जाती है।

## खबर संक्षेप

### मंदिर से घंटी चोरी करने के आरोपी गिरफ्तार

**नारनौल।** शहर क्षेत्र में मंदिर से घंटी चोरी करने के मामले में कार्रवाई करते हुए थाना शहर पुलिस टीम ने दो आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपितों ने मोहल्ला सलामपुरा के हनुमान मंदिर से पीतल की घंटी चोरी करने की वारदात को अंजाम दिया था। दोनों आरोपित भाई हैं और शहीर के ही रहने वाले हैं। जिनसे पूछताछ में पुलिस ने मंदिर की घंटी को बरामद कर लिया है। मंदिर के प्रधान ने थाना शहर में घंटी चोरी की शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत में उसने बताया कि 22 मार्च को मंदिर से पीतल की घंटी चोरी हो गई।

### मेडिकल स्टोरों का किया निरीक्षण

**मंडी अटेली।** जिला कंट्रोलर अधिकारी प्रशांत कुमार ने अटेली शहर और आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में स्थित मेडिकल स्टोरों का निरीक्षण किया। मेडिकल दुकानों में हड़कंप की स्थिति बन गई। निरीक्षण के दौरान अधिकारी ने मेडिकल स्टोर संचालकों को कई महत्वपूर्ण निर्देश दिए। अधिकारी प्रशांत कुमार ने स्पष्ट किया कि सभी मेडिकल स्टोरों में सीसीटीवी कैमरे लगवाना अनिवार्य है, ताकि सुरक्षा व्यवस्था व प्रतिबंधित दवा की बिक्री के रोक को सुदृढ़ किया जा सके। निरीक्षण के दौरान कुछ मेडिकल स्टोर बंद पाए गए, जिस पर उन्होंने कड़ी नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने मेडिकल संचालकों को निर्देश दिया कि किसी भी स्थिति में बिना डॉक्टर की पर्ची के दवाइयां न बेची जाएं।

### बस हादसे के पीड़ितों ने सीएम के नाम सौंपा ज्ञापन

**कनीना।** कनीना खंड के के ग्रामीणों ने सोमवार को मुख्यमंत्री के नाम का ज्ञापन एसडीएम कार्यालय के उपाधीक्षक को सौंपा। जिसमें उन्होंने बीते वर्ष उन्हाणी के समीप घटित स्कूल बस हादसे का जिक्र करते हुए न्याय की मांग की। जिला पार्षद अजीत सिंह, राजकुमार, महेश कुमार, चिमन लाल, उमेशाए काला, रविंद्र सिंह, राजपाल, महेंद्र सिंह, देवकरण, राहुल, नवल किशोर ने कहा कि कनीना के नवनिर्वाचित पार्षद राजेंद्र सिंह को भाजपा में शामिल कर लिया। जिससे उनकी भावनाएं आहत हुई हैं।

## ग्रामीणों ने आश्रम के नाम पर अवैध चंदा वसूली के लगाए आरोप

# आश्रम संचालक नहीं दिखा सका लीगल दस्तावेज, दिए जल्दी खाली करने के निर्देश

- पंचायत की एक एकड़ भूमि पर एनजीओ की ओर से अवैध रूप से चलाया जा रहा है बेसहारा अनाथ आश्रम

हरिभूमि न्यूज ⏭कनीना

कनीना अटेली सड़क मार्ग स्थित सब डिवीजन के गांव मोड़ी में पंचायती जमींन पर बने भवन में एक एनजीओ की ओर से अवैध रूप से संचालित किया जा रहा बेसहारा अनाथ आश्रम आजकल मीडिया की सुर्खियां बना हुआ है। इस आश्रम में सोमवार को एसडीएम डा. जितेंद्र सिंह अहलावत सहित डीएसपी दिनेश कुमार, बीडीपीओ नवजीत, थाना इंचार्ज निरीक्षक मुकेश कुमार पहुंचे और संचालक पवन कुमार से पंचायती भूमि पर चल रहे आश्रम के लीगल कागजात दिखाने को कहा। जिसे वह नहीं दिखा सका। एसडीएम ने उसे जल्द ही भूमि खाली करने को कहा। इतना ही नहीं, आश्रम में रह रहे करीब दर्जनभर लोगों की सूचि प्रदान करने को कहा। जिस पर पवन कुमार ने करीब तीन दर्जनभर व्यक्तियों को सूचि सायं छह बजे तक बीडीपीओ को उपलब्ध कराने की बात कही है।

बता दें कि पिछले करीब पांच वर्ष से सामाजिक संगठन की ओर से अवैध रूप से कब्जा करवाने के प्रयास किए जाने को लेकर 20 मार्च को यहां पर कब्जा कार्रवाई की जानी थी, लेकिन पुलिस सहायता न मिल पाने के कारण स्थगित हो गई थी। बीडीपीओ नवदीप की ओर से पुलिस सहायता के लिए एसपी को पत्र लिखा गया था। सरपंच अनिता देवी ने बताया कि मोड़ी निवासी पवन कुमार ने तत्कालीन पंचायत को सुपुर्द की गई सत्य भारती स्कूल की बिल्डिंग में अवैध रूप से संचालित किए गए बेसहारा शांतिकुंज अनाथ आश्रम के जरिए एक एकड़ भूमि की चारदीवारी व उसमें बने आठ कमरे सहित बरामदे व टॉयलेट पर अवैध कब्जा किया हुआ है। उन्होंने बताया कि संचालक की ओर से अनेक नामों से आश्रम के नाम पर चंदा वसूली की जाती है। अनाथ आश्रम के नाम पर जनता से मिलने वाले पैसे का दुरूपयोग किया जा रहा है। पंचायती जमीन पर बनी भवन को उसके चंगुल से खाली कराने, उस स्थान पर ई लाइब्रेरी व व्यायामशाला खोली जानी प्रस्तावित हैं। पूर्व सरपंच गजराज सिंह, जगन सिंह, कर्णसिंह, सरपंच प्रतिनिधि रामनिवास ने बताया कि अनाथ आश्रम की आड़ में एनजीओ संचालक पवन कुमार पंचायती जमीन पर अवैध कब्जा करना चाहता है।

कनीना। अनाथ आश्रम मोड़ी के संचालक को कागजात दिखाने के निर्देश देते एसडीएम डा. जितेंद्र सिंह अहलावत व आश्रम का मुख्यद्वारा। फोटो : हरिभूमि

### बीडीपीओ के निरीक्षण के समय गेट पर लटका मिला था ताला

उन्होंने बताया कि कनीना के खंड विकास एवं पंचायत अधिकारी नवदीप ने औचक निरीक्षण कर असलियत जानी थी। जिसमें उन्होंने आश्रम के गेट पर ताला लटका मिला था। उनके परिजनों के कहने पर पवन कुमार की अनुमति से ताला खोला गया। बीडीपीओ ने आश्रम में रह रहे लोगों से बातचीत की। जिसमें उन्होंने स्वयं को बंधक बना जाने जैसी बाते कही थी। वे लोग वहां से जाना चाहते थे, लेकिन उन्हें जबरन वहां रोका गया था।

### क्या कहते है आरोपी पक्ष

संस्था के संस्थापक पवन कुमार ने बताया कि एसडीएम साहब को बता दिया गया है कि यह मामला कनीना सिविल कोर्ट में चल रहा है। जिसकी आज सोमवार को तारीख लगी हुई थी। अब आगामी तारीख 28 मार्च लगी है।

### क्या कहते है एसडीएम

इस बारे में एसडीएम डा. जितेंद्र सिंह अहलावत ने कहा कि सोमवार को उनकी ओर से अनाथ आश्रम का मौका निरीक्षण किया गया। संचालक से आश्रम के वैध कागजात दिखाने को कहा, जिसे वह नहीं दिखा सका। आश्रम में रह रहे व्यक्तियों की सूचि मांगी गई है। इसके बाद आश्रम को खाली करवाने की कार्रवाई की जाएगी।

### व्यक्तियों को बंधक बनाकर रखने का आरोप

ग्रामीणों ने कहा कि अनाथ आश्रम में रहने वाले महिला व पुरुषों को गेट बंद कर बंधक की भांति रखा जाता है, जबकि वे वहां से जाने को तैयार है। चारदीवारी पर लोहे के तार लगाकर उसमें बिजली का करंट छोड़ा गया है। चंदे के नाम पर अवैध वसूली की जा रही है। उन्होंने कहा कि आश्रम में रहने वाले व्यक्तियों से फसल कटाई करवाकर मजदूरी करवाई जाती है। आश्रम के भीतर जाने के लिए संचालक की अनुमति लेनी पड़ती है। अंदर रह रहे किसी व्यक्ति द्वारा किसी अधिकारी कर्मचारी के सामने वहां से जाने की बात कही जाती है या आश्रम की असलियत बताई जाती है, तो उनसे मारपीट तक की जाती है। उनकी प्रताड़ना से बीते समय दो अनजान व्यक्तियों की मौत होने की बात भी कही जा रही है। उन्होंने बताया कि जिले में कहीं भी कोई अनजान वृद्ध व मंदबुद्धि जैसा व्यक्ति घूमता दिखाई देता है, तो उसे मोड़ी लाया जाता है। जहां उनके मजदूरी तक कराई जाती है। अनाथ आश्रम के नाम पर जगह जगह चंदा वसूली की जाती है। अनाथ आश्रम के नाम पर दानी सज्जनों द्वारा यहां पर सोलर सिस्टम लगाया है। वहीं 30 से 35 बैड उपलब्ध कराए गए हैं। जिन पर वह अपना हक जता रहा है।

नारनौल। अवैध निर्माण हटाती जेसीबी मशीन। फोटो : हरिभूमि

## 20 एकड़ क्षेत्र में विकसित की जा रही अवैध कॉलोनियों पर डीटीपी ने चलाया पीला पंजा

हरिभूमि न्यूज ⏭नारनौल

जिला नगर योजनाकार टीम की ओर से सोमवार को शहरी क्षेत्र में नारनौल-सिंघाना रोड पर (जेएलएन नहर के पास) लगभग 15 एकड़ भूमि में अवैध कॉलोनी में तोड़फोड़ की कार्रवाई की। इसके अलावा नागरिक अस्पताल के सामने नजदीक वेयरहाउस के पास लगभग पांच एकड़ भूमि में विकसित की जा रही अवैध कॉलोनी में तोड़फोड़ की कार्रवाई की गई। इस कार्रवाई में 110 डीपीसी, आठ चारदीवारी व चार अवैध निर्माण के साथ-साथ सभी रोड नेटवर्क उखाड़ दिए गए। यह पूरी तोड़फोड़ कार्रवाई जिला नगर योजनाकार गुंजन वर्मा की अगुवाई में कनिष्ठ अभियंता धर्मपाल, नरेश कुमार, योगेन्द्र, विकास के साथ भारी पुलिस बल की मौजूदगी में जिला प्रशासन की मदद से अमल में लाई गई। जिला नगर योजनाकार गुंजन वर्मा ने लोगों से अपील की है कि नियन्त्रित क्षेत्र/शहरी क्षेत्र में कोई भी निर्माण बिना विभागीय अनुमति के न करे तथा महानिदेशक नगर एवं ग्राम आयोजना विभाग हरियाणा चण्डीगढ़, से लाइसेंस अनुमति लेने उपरान्त ही कृषि भूमि को रिहायशी अथवा वाणिज्यिक उपयोग के लिए परिवर्तित करें अन्यथा चूककर्ताओं के खिलाफ विभागीय कार्रवाई की जाएगी। अवैध कॉलोनी में कोई प्लाट प्रॉपर्टी डीलर्स के बहकावे में आकर न खरीदें और न ही अवैध निर्माण करें। कोई भी प्लॉट खरीदने से पहले कॉलोनी की वैधता बारे व निर्माण करने से पूर्व नियमानुसार अनुमति लेने बारे जिला नगर योजनाकार कार्यालय से किसी भी कार्यदिवस में पता किया जा सकता है। जिला नगर योजनाकार ने बताया कि भविष्य में जिले में अन्य स्थानों पर विकसित की जा रही अवैध कॉलोनियों व अवैध निर्माण के खिलाफ कार्रवाई जारी रहेगी।

# गांव में अवैध नशे पर लगाई पाबंदी

हरिभूमि न्यूज ⏭मंडी अटेली

गांव गुवानी की पंचायत ने नशा मुक्ति की ओर कदम बढ़ाते हुए बैठक कर एक महत्वपूर्ण निर्णय लिया है, जिसमें गांव में अवैध प्रकार के नशे पर पाबंदी लगाई गई है। इस बैठक में मुख्य रूप से नारनौल सदर इंचार्ज धर्मवीर सिंह पहुंचे। उन्होंने ग्रामीणों को बताया कि यदि गांव का कोई भी व्यक्ति नशा बेचता या नशा करता हुआ पकड़ा गया तो पुलिस उस पर कार्रवाई करेगी। जीवन में किसी लक्ष्य को प्राप्त करना है तो हमें नशे से दूर रहना होगा। नशे से दूर रहेंगे तो जीवन में हर वह लक्ष्य पा सकते हैं, जिसकी हम कल्पना करते हैं। नशा एक ऐसी चीज है, जो हमारे सपनों को तो खत्म करता ही है। साथ ही साथ हमें अंदर से खोखला भी बनाता है। आज का युवा अपने मकसद और अपने सपनों से सिर्फ इसलिए भटक रहा है, क्योंकि वह नशे की गिरफ्त में जा रहा है। गुवानी की सरपंच रीना देवी के पति दिनेश यादव ने बताया कि नशा शरीर और मस्तिष्क पर बहुत गलत प्रभाव डालता है। नशा का आदी होना आसान है।

मंडी अटेली। गुवानी में एकत्रित हुए ग्रामीण। फोटो : हरिभूमि

# नपा टीम ने अवैध रूप से लगे विज्ञापन फ्लैक्स हटवाए

हरिभूमि न्यूज ⏭महेंद्रगढ़

नगर पालिका की टीम ने सोमवार को शहर के मुख्य सड़कों पर अवैध रूप से लगाए गए विज्ञापन होर्डिंग को उतारने की कार्रवाई की गई। छोटे-बड़े करीब सैकड़ों फ्लैक्स पर छपे विज्ञापन उतारे गए। यह अभियान शंकर मार्केट से शुरू होकर बालाजी चौक, विश्वकर्मा चौक, सीएसडी कैंटीन, यादव धर्मशाला, बस स्टैंड, चौधरी रणबीर सिंह हुड्डा पार्क, राव तुलाराम चौक, आईटीआई रोड, आंबेडकर चौक, शॉपिंग कॉम्पलैक्स सहित शहर के अन्य बाजारों में चलाया गया। इस दौरान सभी फ्लैक्स को भी उतरवाने के आदेश दिए गए। अभियान का नेतृत्व सन्नी, दरोगा रिंकू व अनिल ने किया।

बता दें कि नगर पालिका को अवैध विज्ञापनों से भारी राजस्व का नुकसान हो रहा है। शहर के प्रमुख मार्गों पर दुकानदार बिना किसी अनुमति के यूनीपोल, होर्डिंग और बैनर लगाकर विज्ञापन कर रहे हैं, लेकिन नगर पालिका को कोई टैक्स नहीं दे रहे हैं। नगर पालिका की ओर से समय-समय पर अभियान चलाकर अवैध विज्ञापनों को हटाया जाता है। व्यवसायियों, शैक्षणिक संस्थाओं और राजनीतिक दल, दुकानदार द्वारा अपने प्रचार-प्रसार करने के लिए सरकारी संपत्ति का दुरुपयोग किया जा रहा है। सार्वजनिक स्थलों पर भी बिना अनुमति के विज्ञापन पोस्टर आदि लगे हुए हैं। इसी को देखते हुए नगर पालिका प्रशासन की ओर से यह कार्रवाई की गई। नपा सचिव प्रशांत पराशर ने बताया कि यह अभियान लगातार जारी रहेगा।

महेंद्रगढ़। विज्ञापन फलैक्स को हटाते नपा कर्मचारी।

हरियाणा, दिल्ली, छत्तीसगढ़ और मध्यप्रदेश
से एक साथ प्रकाशित

haribhoomi.com

12

रोहतक मंगलवार
25 मार्च 2025

हरिभूमि
# सहेली

चैत्र नवरात्र विशेष

चैत्र नवरात्र, मां दुर्गा की आराधना के माध्यम से स्वयं की आत्मचेतना को भी साधने का पावन अवसर बनकर आता है। इस दौरान प्रकृति में होने वाला सुहाना बदलाव, आस्था के भाव संग मन की ऊर्जा अर्जित करने का परिवेश बनाता है। आइए इस शुभ-पावन सुअवसर में हम भी आत्मशक्ति को जाग्रत करने का प्रयास करें।

# मां दुर्गा की उपासना आत्मशक्ति जगाने वाले दिन

पर्व निहितार्थ

डॉ. मोनिका शर्मा

वासंतिक नवरात्र, मां शक्ति की उपासना के नौ दिन मन की शुद्धि और जीवन की समृद्धि की कामना से जुड़े होते हैं। व्रत और पूजा-अर्चना के माध्यम से स्वयं को साधने के प्रयास करने का यह पावन पर्व है। आने वाले नवरात्र, जीवन को हर तरह से उन्नत बनाने का समय है।

## प्रकृति में होता नवसंचार

वासंतिक या कहें चैत्र नवरात्र में पूरे परिवेश में नई चेतना का संचार हो रहा होता है। खिलती प्रकृति के मौसम में आदिशक्ति को साधने का यह उत्सव हमारे भीतर नया उत्साह जगाता है। प्रकृति से जुड़ा सब कुछ दैवीय-सा लगता है। पेड़ों पर फूटती नई कोंपलों में नवसृजन की आहट होती है। कोयल की मीठी कूक हर ओर ऊर्जा बिखेर रही होती है। सचमुच, वासंतिक नवरात्र का यह समय ही नवजीवन का संचार करने वाला है। आस्था के भाव संग मन की ऊर्जा उपार्जित करने का परिवेश बनाता है।

## सकारात्मक भावों से जुड़ाव

नवरात्र के उपवास और आस्था से जुड़ी सोच से जीवन में सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह होता है। संयम, नियम के पालन से शरीर और मन की शुद्धि होती है। शक्ति की उपासना से जुड़ी आस्था से उपजा शुद्धता का यह भाव सजग और चेतन अस्तित्व से जोड़ता है। शांत, स्थिर और सधा हुआ विश्वास मन को बल देने वाला होता है। मां दुर्गा की आराधना के नौ दिन भीतर की सकारात्मक ऊर्जा से साक्षात्कार करने का उत्सव बनकर आते हैं। असल में यह पर्व मन की प्रफुल्लता, स्फूर्ति और तेजस्विता को बल देता है। दुःख-तकलीफ से मुक्ति और मनोकामनाओं की पूर्ति के लिए मां दुर्गा की उपासना, स्त्रियां पूरे मन से करती हैं। अपने लिए ही नहीं, अपने परिवार की कुशल कामना के लिए मां से आशीर्वाद मांगती हैं। अपने चेतनामयी अस्तित्व के लिए प्रार्थना करती हैं। हालांकि आज भी महिलाओं को बहुत से मोर्चों पर जाग्रत होने की दरकार है। महिलाओं के सामने घर के भीतर और बाहर जितनी भी परेशानियां आती हैं, उनकी एक बड़ी वजह अपने ही अस्तित्व को लेकर सजग न होना ही है। हर अच्छे-बुरे व्यवहार के प्रति स्वीकार्यता का भाव सही नहीं होता। विवेक रूपी अस्त्र का प्रयोग कर अपने जाग्रत अस्तित्व को समाज के सामने लाना बहुत आवश्यक है। नवसृजन का उल्लास बिखेरती प्रकृति के बीच भगवती दुर्गा की उपासना का यह उत्सव वास्तव में ऐसी सोच को पुष्ट करने वाला है। आस्था भरे भावों को वासंतिक छटा के माहौल में उम्मीद और सकारात्मक सोच का साथ भी मिलता है।

## ऋतु परिवर्तन का समय

चैत्र नवरात्र, धार्मिक आस्था और अध्यात्म से ही नहीं जीवन के कई व्यावहारिक पक्षों से जुड़े दिन भी हैं। ऋतु परिवर्तन के समय में स्वच्छता और संयमित दिनचर्या जरूरी है। विक्रम संवत की शुरुआत के समय आने वाला यह नौ दिन का उत्सवीय अनुष्ठान वैज्ञानिक चिंतन के तार्किक पक्ष का आधार लिए है। मां शक्ति के पूजन के साथ ही बहुत से व्यावहारिक पहलू जुड़े हैं। प्रार्थना, जप और ध्यान नकारात्मक विचारों से दूर रखते हैं, मन-मस्तिष्क को स्थिरता देते हैं। सात्विक आहार, उपवास और सधी दिनचर्या शरीर और मन को डिटॉक्स करती है। यह अनुशासित जीवनशैली स्वास्थ्य और सक्रियता बनाए रखती है। मौसम के मुताबिक अपनों की संभाल-देखभाल करने वाली स्त्रियां सदा से ही इन वैज्ञानिक बातों को भी आस्था के भाव संग समझती आई हैं। मौजूदा दौर में भी महिलाओं का यह भाव-चाव कायम है।

## बेटियों के पूजन की रीत

हमारे यहां शक्तिस्वरूपा के रूप में बेटियों के पूजन की रीत है। व्यावहारिक और धार्मिक धरातल पर जुड़ी आस्था संग सधी दिनचर्या के साथ नौ दिनों तक देवी के नौ रूपों की पूजा की जाती है। सर्दी के पूरी तरह खत्म होने और तपिश के मौसम की शुरुआत के समय नियमपूर्वक मां आदिशक्ति के नौ रूपों को नमन कर व्रत-अनुष्ठान किए जाते हैं। एक ओर परिवर्तन के इस काल में प्रकृति नवीन हो जाती है तो दूसरी ओर मन श्रद्धा के भावों से भरा होता है। बदलते परिवेश में ये दिन भीतरी परिवर्तन लाने की शक्ति देते हैं।

## अपने सामर्थ्य को पहचानने का अवसर

चैत्र नवरात्र के पहले दिन से नववर्ष की शुरुआत होती है। ऋतुओं का यह संधि काल शारीरिक सेहत ही नहीं, मन का स्वास्थ्य भी बिगाड़ता है। ऐसे में मां दुर्गा की उपासना का यह उत्सव आध्यात्मिक और पारंपरिक पर्व तो है ही, अपने सामर्थ्य को पहचानने का अवसर भी है। मन-मस्तिष्क को सबल रखने के लिए शक्ति साध लेने का समय है। स्त्रियां अपनी सृजनशील सोच से परिवार ही नहीं, पूरे परिवेश को थामती आई हैं। अपनों को ही नहीं, परायों को भी संभालने की सोच रखती हैं। गहराई से देखा-समझा जाए तो मातृशक्ति का यही भाव घर-परिवार को थामे हुए है। संयमित, संस्कारित जीवन का आधार है।

# देवी पूजन सामग्री की आध्यात्मिक महत्ता

नवरात्रों में हम सब देवी भगवती के नौ रूपों की पूजा-अर्चना करते हैं। इस पूजन में हम विभिन्न पूजन सामग्रियों का प्रयोग करते हैं। इनकी आध्यात्मिक महत्ता के बारे में आपको यहां बता रहे हैं।

महात्म्य

अनीता जैन, वास्तुविद

देवी भागवत पुराण के अनुसार, चैत्र नवरात्र में देवी दुर्गा के नौ रूपों की आराधना अत्यंत फलदायी मानी जाती है। यह पर्व भक्तों को शक्ति, ज्ञान और समृद्धि प्रदान करता है। नवरात्र के नौ दिन मां दुर्गा के अलग-अलग स्वरूपों-शैलपुत्री, ब्रह्मचारिणी, चंद्रघंटा, कूष्मांडा, स्कंदमाता, कात्यायनी, कालरात्रि, महागौरी, और सिद्धिदात्री की पूजा की जाती है। मान्यता है कि जो भक्त श्रद्धा और नियमपूर्वक नवरात्र में देवी की पूजा-अर्चना करते हैं, उन्हें जीवन में सफलता, स्वास्थ्य और समृद्धि प्राप्त होती है। नवरात्रों में भक्तजन मां की कृपा प्राप्त करने के लिए विभिन्न पूजन सामग्रियों का प्रयोग करते हैं। हर सामग्री का एक आध्यात्मिक और पौराणिक महत्व होता है, जो पूजा की प्रभावशीलता को बढ़ाता है।

**कलशः** कलश स्थापना किसी भी देवी-देवता की पूजा का एक महत्वपूर्ण हिस्सा होता है। इसे ब्रह्मांडीय ऊर्जा का प्रतीक माना जाता है, जिसमें देवी की उपस्थिति होती है। कलश में जल भर कर उसमें आम के पत्ते, सुपारी, पंचरत्न और नारियल रखे जाते हैं। आम के पत्ते सकारात्मक ऊर्जा को आकर्षित करते हैं, सुपारी मंगल कार्यों की सफलता का प्रतीक होती है, पंचरत्न पंचतत्वों का प्रतिनिधित्व करते हैं। कलश स्थापना करने से घर में सुख-समृद्धि और आध्यात्मिक ऊर्जा बनी रहती है।

**माता का आसनः** माता का आसन लाल या पीले कपड़े पर बनाया जाता है। लाल रंग शक्ति, ऊर्जा और विजय का प्रतीक होता है, जबकि पीला रंग शुभता और ज्ञान का प्रतीक है। देवी का आसन सही तरीके से स्थापित करने से पूजा में स्थायित्व और सकारात्मक ऊर्जा बनी रहती है। ऐसा माना जाता है कि उचित आसन पर स्थापित देवी की प्रतिमा से घर में शांति और समृद्धि आती है।

**अक्षतः** पूजन में प्रयोग किए जाने वाले चावल को अक्षत कहा जाता है, जिसका अर्थ होता है 'जो खंडित न हो।' यह संपूर्णता, अखंडता और समृद्धि का प्रतीक है। देवी को अक्षत अर्पित करने से घर में सुख-समृद्धि बनी रहती है। विशेष रूप से, हल्दी से रंगे चावल देवी लक्ष्मी और दुर्गा की पूजा में अत्यंत शुभ माने जाते हैं।

**कुमकुम और हल्दीः** कुमकुम और हल्दी देवी पूजन में अनिवार्य माने जाते हैं। कुमकुम सौभाग्य, शक्ति और समृद्धि का प्रतीक है, जबकि हल्दी स्वास्थ्य और पवित्रता का प्रतीक मानी जाती है।

**अखंड दीपकः** नवरात्र में अखंड दीपक जलाने की परंपरा अत्यंत शुभ मानी जाती है। खासतौर पर गाय के शुद्ध घी का दीपक जलाना बहुत ही लाभकारी होता है। यह न केवल वातावरण को पवित्र करता है बल्कि घर में दिव्य ऊर्जा को बनाए रखता है। घी का दीपक जलाने से देवी महालक्ष्मी, दुर्गा और सरस्वती की कृपा प्राप्त होती है। अखंड दीप जलाने से घर में कोई नकारात्मकता प्रवेश नहीं करती।

**नारियलः** नारियल को श्रीफल भी कहा जाता है, जिसका अर्थ है 'शुभ फल'। यह कठोर बाहरी आवरण वाला होता है, जो मनुष्य के अहंकार को दर्शाता है, जिसे त्यागने के बाद ही आंतरिक शुद्धता प्राप्त की जा सकती है। देवी को नारियल अर्पित करने से जीवन में उन्नति, सफलता और शांति आती है।

**कपूर और धूपः** कपूर और धूप जलाने से वातावरण शुद्ध और सकारात्मक ऊर्जा से भर जाता है। यह बुरी शक्तियों को दूर करता है और मन को शांति प्रदान करता है।

**भोगः** नवरात्र में मां दुर्गा को विशेष भोग अर्पित किया जाता है। नौ दिनों में अलग-अलग प्रसाद चढ़ाने की परंपरा होती है, जैसे- पहले दिन घी, दूसरे दिन शक्कर, तीसरे दिन दूध, चौथे दिन मालपुए, पांचवें दिन केले, छठे दिन शहद, सातवें दिन नारियल, आठवें दिन हलवा और नौवें दिन पूड़ी, खीर या हलवा का भोग अर्पित करने से मां की कृपा प्राप्त होती है।

डाइट सजेशन

अंशु चौहान, डाइटीशियन

चैत्र नवरात्र आरंभ होने वाले हैं। इस दौरान आप भी जरूर व्रत रखेंगी। व्रत के दौरान आपको कोई परेशानी न हो, दिन भर एनर्जी लेवल बना रहे, इसके लिए आपका डाइट प्लान परफेक्ट होना चाहिए। इस बारे में जानिए।

# व्रत के लिए परफेक्ट डाइट प्लान

नवरात्र में कई महिलाएं पूरे नौ दिनों का उपवास रखती हैं तो कुछ पहले और आखिरी दिन ही व्रत रखती हैं। व्रत के दौरान ऐसा फलाहार करना चाहिए, जिससे आपको भरपूर एनर्जी मिलती रहे। कुछ लोग व्रत के दौरान कुछ नहीं खाते हैं, लेकिन ऐसा करना स्वास्थ्य के लिहाज से सही नहीं होता है। पौष्टिक फलाहार न खाने से कमजोरी लगने लगती है, क्योंकि आप हाउसवाइफ हों या वर्किंग वूमेन, दिन भर आपको कई तरह के काम तो करने ही पड़ते हैं। ऐसे में आपको जरूरी एनर्जी मिलती रहे, इसके लिए पौष्टिक फलाहार करना आवश्यक है। खान-पान सही ना हो तो व्रत के दौरान आपको कमजोरी, सिर में दर्द, चक्कर आने जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। ऐसा आपके साथ न हो, इसके लिए व्रत के दौरान आप यहां बताए जा रहे पौष्टिक आहार का सेवन कर सकती हैं।

## इन्हें करें डाइट में शामिल

व्रत के दौरान आप अपनी डाइट में साबूदाना, समा के चावल, शकरकंद और ताजे फल शामिल कर सकती हैं। ये कार्बोहाइड्रेट के अच्छे सोर्स होते हैं। साबूदाना खिचड़ी और समा के चावल धीमी ऊर्जा रिलीज करने वाले हल्के और सुपाच्य पौष्टिक खाद्य पदार्थ हैं। इन्हें आप अपने व्रत के फलाहार में शामिल कर सकती हैं।

**प्रोटीन-फाइबर्सः** मांसपेशियों की मजबूती के लिए मूंगफली, दूध, दही, छाछ का सेवन कर सकती हैं। इनके अलावा कुट्टू, राजगीरा और सिंघाड़े का आटा प्रोटीन और फाइबर के बढ़िया स्रोत होते हैं। दिमाग और शरीर को ऊर्जा प्रदान करने के लिए नारियल, ड्राई फ्रूट्स जैसे बादाम, अखरोट, काजू और मखाना खा सकती हैं। शरीर में पर्याप्त विटामिंस, मिनरल्स और हाइड्रेशन बनाए रखने के लिए नारियल पानी, फलों का जूस और नीबू पानी पीना फायदेमंद है, जो इलेक्ट्रोलाइट्स बैलेंस के साथ-साथ हाइड्रेशन को भी मेंटेन रखते हैं।

**सुबह-दोपहर में क्या लें:** सुबह के समय शरीर को हाइड्रेट करना और मेटाबॉलिज्म को बूस्ट करना बेहद जरूरी होता है। इसके लिए

नाश्ते में स्मूदी और एनर्जी से भरपूर फ्रूट्स सही समय पर लेना जरूरी है। इससे सुबह के कामों को निपटाने के लिए आपको भरपूर मात्रा में ऊर्जा मिलेगी। ऐसे पौष्टिक नाश्ते को करने से काम-काजी महिलाओं को भी ऑफिस वर्क के दौरान घंटों तक एनर्जी बनी रहेगी। आप सिंघाड़े या कुट्टू के आटे की रोटी, लौकी की सब्जी और दही दोपहर के भोजन में ले सकती हैं। शाम के समय हल्का लेकिन एनर्जी-बूस्टर स्नैक्स जरूरी है। शकरकंद चाट, लंबे समय तक आपको ऊर्जा देगा।

**डिनर में क्या लें:** रात का आहार हल्का और सुपाच्य होना चाहिए ताकि नींद अच्छी आए। इसमें समा के चावल की खिचड़ी और सोने के कुछ समय पहले गर्म दूध और खजूर रात में शरीर को ऊर्जा देने के लिए लाभदायक हैं।

इस तरह व्रत के दौरान सुबह से लेकर रात तक अपने आहार के बारे में छोटी-छोटी बातों को ध्यान में रखेंगी तो अपनी दिनचर्या और हेल्थ को ठीक रख सकती हैं।

प्रस्तुतिः संध्या रानी

किसी कारण एकाकी जीवन जीने को मजबूर महिलाएं सवालों के घेरे में रहती हैं। वे अभिशप्त जीवन जीती हैं। उनको समाज का एक वर्ग हेय दृष्टि से देखता है। आखिर उन्हें भी हमारी मां, बहन और बेटी की तरह मान-सम्मान क्यों नहीं मिलता?

# एकल नारी भी है सम्मान की हकदार

बदले दृष्टिकोण

एकता शर्मा

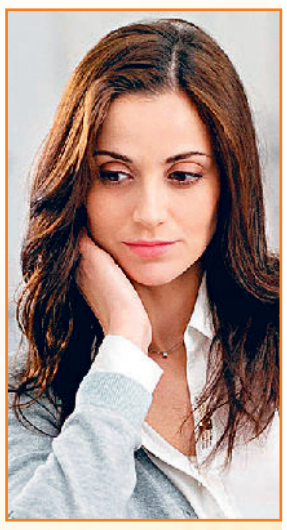

कल तक तो वह कुलवधु थी, परिवार में उसका मान-सम्मान था। लेकिन एक समय ऐसा भी आता है, जब उसके लिए अपमानजनक शब्दों का प्रयोग किया जाने लगता है। वह मासूम समझ नहीं पाती कि अब उसका कोई मान-सम्मान क्यों नहीं है? अगर अपने पति से वह अलग हो जाती है तो क्यों कभी उसके चरित्र पर अंगुली उठाई जाती है तो कभी डाइवोर्सी कहा जाता है? अपवादों को छोड़ दें तो आज भी महिलाओं की ही सहनशीलता पर टिके हैं घर-परिवार। तलाक भी सिर्फ तभी होता है, जब पुरुष पक्ष की प्रबलता हो। महिलाएं तो रिश्तों को बचाने का हर संभव प्रयास करती हैं। महिला तो उस राह पर जाती ही नहीं कि जिस पर उसका और उसके बच्चों का भविष्य गर्त में मिल जाए। फिर भी यह समाज महिलाओं पर ही तंज कसता है। इस दिशा में जम्मू-कश्मीर उच्च न्यायालय का महिलाओं के प्रति बदला नजरिया स्वागत योग्य है, जिसके अनुसार किसी महिला को 'डायवोर्सी' नहीं कहा जा सकता है।

**हम स्त्री की विवशता को क्यों नहीं समझतेः** एकल नारी का जीवन अभिशाप नहीं है, वह अभिन्न अंग है समाज का। नारी मात्र देह नहीं, देह से परे एक मेधा शक्ति भी है। नारी हमारी संस्कृति की वाहक है, वह संवर्धन की हेतु और सेतु भी है। हम यह क्यों नहीं समझते? कभी-कभी कुछ स्त्रियों को विपरीत परिस्थितियों और असामयिक कारणवश एकल, एकांत जीवन को अपनाना पड़ता है। ऐसे में उनके व्यक्तिगत जीवन पर सवाल उठाना या हस्तक्षेप करना क्या गलत नहीं है? हमें किसी स्त्री की विवशता को समझना चाहिए।

**जीने का समान अधिकारः** एकल महिला को समाज संवेदनशील होकर क्यों नहीं देखता? आज भी हमारे समाज में एकल अविवाहित, तलाकशुदा और परित्यक्त महिलाओं को हेय दृष्टि से देखा जाता है। रूढ़िवादी, पूर्वाग्रही पितृसत्तात्मक समाज का एक वर्ग उन्हें अपनी कलुषित, कुदृष्टि से देखता है। यही नहीं, अशिक्षित वर्ग ही नहीं, पढ़े-लिखे लोग भी एकल महिलाओं को बर्दाश्त नहीं कर पाते। उनके जीवन पर तरह-तरह के सवाल उठाते हैं। दुखद यह है, इसमें पुरुष ही नहीं, महिलाएं भी शामिल होती हैं। दंभी पुरुष ऐसी महिलाओं के चरित्र पर लांछन लगाते हैं। समाज में उनका जीना दूभर कर देते हैं। ऐसे लोग भूल जाते हैं कि महिला भी इंसान है। उसे भी जीने का उतना ही अधिकार है, जितना उन्हें। क्यों हम अकसर एकाकी जीवन जी रही महिलाओं को देखकर अपमान भरी टिप्पणी करते हैं? क्या हम कुंठित समाज का हिस्सा हैं? हमें इन महिलाओं का सुख और उनकी स्वतंत्रता क्यों नही बर्दाश्त हो पाती?

**मिले निजता को सम्मानः** हमें समझना चाहिए कि एकल महिलाएं भी अपने स्वाभिमान, स्वावलंबन, आत्म-विश्वास और मेहनत के बल पर किसी अच्छे मुकाम पर पहुंची हैं। अपने बलबूते अपने बच्चों का भरण-पोषण कर रही हैं। याद रहे, नारी भी एक स्वतंत्र चेतना है। उसकी उत्पत्ति का इतिहास भी वही है, जो एक पुरुष का है। ऐसे में एकल नारियों को भी उतना ही सम्मान मिलना चाहिए, जितना अपने घर की मां, बेटी और बहन को मिलता है। यह रेडिकल फेमिनिज्म नहीं है, अपितु किसी की निजता का सम्मान है। यह संवैधानिक दृष्टिकोण ही नहीं, अपितु सभ्य समाज की पहचान है। सतत विकास, सशक्तिकरण, समावेशी दुनिया की बात करने वाले समाज को समानता के आधारभूत सिद्धांत को भी आत्मसात करना चाहिए। तभी हमारे राष्ट्र और समाज का चहुंमुखी विकास होगा।

मेकअप

सरिता गुप्ता

# मेकअप रहेगा लॉन्ग-लास्टिंग आपको मिलेगा चार्मिंग लुक

नवरात्रों के दौरान धार्मिक आयोजनों में अकसर शामिल होना होता है। ऐसे आयोजनों में आपका मेकअप भी सिंपल लेकिन अट्रैक्टिव होना चाहिए। हम आपको यहां मेकअप करने का ऐसा तरीका बता रहे हैं, जिनसे ना सिर्फ पसीना कंट्रोल होगा बल्कि आपका चेहरा भी ग्लो करेगा।

**फेस क्लीनिंगः** जब भी आप मेकअप करें तो सबसे पहले फेस को साफ करने के लिए चेहरे पर दो मिनट क्लींजर से मसाज करें। उसके बाद फेस को सुखा लें। फिर लिक्विड मॉयश्चराइजर लगाएं। इसके बाद स्किन के लिए एस्ट्रिंजेंट लोशन लगाएं और कुछ मिनट तक रुकने के बाद फाउंडेशन लगाने से पहले दाग-धब्बों को कंसीलर से कवर कर दें।

**फाउंडेशन का शेडः** फाउंडेशन लेते समय हमेशा अपनी स्किन-टोन का विशेष ध्यान रखें। कभी भी ज्यादा फेयर दिखने के लिए फाउंडेशन का शेड ज्यादा लाइट न लें। आपको सिर्फ अपनी स्किन-टोन से एक शेड लाइटर ही फाउंडेशन लेना है। ध्यान रहे कि शेड आपकी स्किन-टोन से मैच करता हुआ हो। इसके अलावा आप खास मौकों के लिए गोल्ड फाउंडेशन भी खरीद सकती हैं। रात के किसी आयोजन के लिए मेकअप करना हो तो गोल्डन फाउंडेशन के साथ गोल्डन टिंटेड पावडर का यूज भी एक बढ़िया विकल्प हो सकता है।

**फाउंडेशनः** फाउंडेशन हमेशा माथे, नाक और गालों पर जरूर लगाएं। अब इसे हल्के गीले स्पंज से पूरे चेहरे पर एक समान रूप से फैलाएं। हल्का-सा फाउंडेशन पलकों पर लगाकर फैलाएं। अब फाउंडेशन को चेहरे के निचले हिस्से चिन और दोनों तरफ जबड़े की रेखाओं पर लगाएं और इसे अच्छी तरह स्पंज से ब्लेंड करें। इससे त्वचा एक जैसी दिखेगी।

**ब्लशर का यूजः** मेकअप करने के बाद ब्लशर का यूज जरूर करें। ऐसा करने से चेहरे पर बहुत अच्छी शाइन आ जाती है। आप पावडर ब्लशर का ही यूज करें, क्योंकि इसे लगाना आसान होता है। ब्लशर को चीक बोंस पर लगाएं और इसे ब्रश से ब्लेंड करें।

**आईशैडोः** अगर आपको ग्लॉसी मेकअप करना है तो आप आइज पर ब्राउन, कॉपर या गोल्ड आईशैडो का यूज कर सकती हैं। ब्लैक और ब्राउन आईलाइनर भी अच्छे लगते हैं। आखिर में दो या तीन कोट मस्कारा के लगाएं, ध्यान रखें कि हर कोट के सूखने के बाद ही पलकों को ब्रश करें।

**ऐसे लगाएं लिपस्टिकः** मेकअप के बाद लिप्स को लिपस्टिक से हाईलाइट करें। लिप लाइनर का यूज बिल्कुल न करें। इसके कलर्स में पिंक, रेड, ऑरेंज या डार्क ब्राउन शेड्स में से किसी का यूज अपने आउटफिट से मैच करते हुए लगा सकती है।

(मेकअप आर्टिस्ट आरती खन्ना से बातचीत पर आधारित)

## खबर संक्षेप

नारनौल। यादव धर्मशाला में शहीदी दिवस मनाते हुए। फोटो : हरिभूमि

### रिटायर्ड कर्मचारी संघ ने मनाया शहीदी दिवस

**नारनौल।** रिटायर्ड कर्मचारी संघ (रजि नंबर 196) ने शहीदी दिवस पर शहीदों को पुष्प अर्पित कर नमन किया और एक विचार गोष्ठी कर उन वीर शहीदों का संदेश आमजन तक फैलाने का निर्णय लिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता रिटायर्ड कर्मचारी संघ के जिला के प्रधान घनश्याम दास शर्मा ने की। गोष्ठी में मुख्य वक्ता सर्व कर्मचारी संघ के पूर्व जिला प्रधान मास्टर धर्मेंद्र यादव थे। सर्वप्रथम शहीदों की आत्मा की शांति के लिए दो मिनट का मौन रखा गया। विचार गोष्ठी में ओमप्रकाश दायमा, महेंद्र सिंह यादव, सुवालाल, राजेश, होशियार सिंह लांबा, कर्णसिंह, सत्यपाल शर्मा, राममेहर, धर्मपाल शर्मा, धर्मेंद्र यादव, घनश्याम शर्मा व मामनराम ने अपने विचार व्यक्त किए।

महेंद्रगढ़। पद व गोपनियता की शपथ लेते नवनिर्वाचित सदस्य।

### बार के नवनिर्वाचित सदस्यों ने ली शपथ

**महेंद्रगढ़।** बार एसोसिएशन के नए पदाधिकारियों को शपथ दिलाने के लिए सोमवार को एसोसिएशन कार्यालय में समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्यातिथि विधायक कंवर सिंह यादव रहे। इस दौरान एसोसिएशन ने मुख्यातिथि के समक्ष बार के विकास के लिए कुछ डिमांड रखी। मुख्यातिथि विधायक कंवर सिंह यादव ने बार के विकास के लिए पांच लाख रुपये देने की घोषणा। विधायक कंवर सिंह यादव, आरओ विनोद तंवर व एआरओ आलोक खैरवाल ने नवनियुक्त प्रधान संदीप रिवासा व अन्य सदस्यों को शपथ दिलाई।

नारनौल। प्रवेश अभियान में घर जाकर संपर्क करते कांवी विद्यालय के शिक्षक।

### राजकीय स्कूल कांवी में दाखिला अभियान शुरू

**नारनौल।** राजकीय सीनियर सेकेंडरी स्कूल कांवी में छठी से 12वीं कक्षा के दाखिला अभियान का प्राचार्य सुरेश कुमार के निर्देशन में शुभारंभ किया गया। जिसमें विद्यालय परिवार की ओर से पंफलेट, फ्लेक्स, वीडियो क्लिप आदि के माध्यम से दाखिलों के लिए आमजन को प्रेरित किया जा रहा है। अध्यापकों डोर टू डोर संपर्क कर रहे है। जिसमें विद्यालय की उपलब्धियां के बारे में बताया जा रहा है। गत वर्ष के बोर्ड परीक्षाओं में 22 विद्यार्थियों ने मेरिट प्राप्त की।

## विरोधस्वरूप एसई कार्यालय नसीबपुर में हुआ एक दिवसीय धरना-प्रदर्शन

# पंचायतों को 1 अप्रैल से सौंपा जाएगा वाटर वर्क्स व सप्लाई कार्य, विरोध में उतरे कर्मी

प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि हमारी प्रमुख मांगों में हरियाणा कौशल रोजगार के तहत लगे हुए कर्मचारियों को जॉब सिक्योरिटी दिलाना शामिल है। सरकार कौशल रोजगार निगम में लगे कर्मचारियों का अनुभव रिकार्ड में चढ़ाए।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

नारनौल। एसई कार्यालय नसीबपुर में धरने को संबोधित करते कर्मचारी नेता। फोटो : हरिभूमि

हरियाणा गवर्मेंट पीडब्ल्यूडी मैकेनिकल वर्कर्स यूनियन (रजि. नम्बर 41) संबंधित हरियाणा संयुक्त कर्मचारी संघ का जिला स्तरीय एक दिवसीय धरना नसीबपुर में जनस्वास्थ्य एवं अभियांत्रिकी विभाग के अधीक्षण अभियंता (एसई) कार्यालय नारनौल में दिया गया, जिसकी अध्यक्षता जिला प्रधान रमेशचंद्र यादव ने की। मुख्य अतिथि यूनियन के प्रदेश अध्यक्ष ईश्वर सिंह शर्मा थे। कर्मचारियों ने धरने के दौरान अपनी मांगों को मनवाने के लिए जोरदार नारेबाजी भी की।

कर्मचारियों को संबोधित करते हुए यूनियन के प्रदेश अध्यक्ष ईश्वर सिंह शर्मा ने आरोप लगाते हुए कहा कि हरियाणा सरकार कर्मचारियों के प्रति दमनकारी नीतियों को लागू कर रही है, जिसमें सरकार एक अप्रैल से पब्लिक हेल्थ के वाटर वर्क्स व वाटर सप्लाई को पंचायतों के अधीन कर के कर्मचारियों का रोजगार छीन रही है। संगठन ऐसा होने नहीं देगा। उन्होंने कहा कि हम राज्य सरकार को ऑल हरियाणा में सभी अधीक्षण अभियंताओं के माध्यम से चौबीस सूत्री मांगपत्र सरकार को दे रहे हैं। तीन अप्रैल तक यह धरने चलेंगे। यदि उसके बाद भी सरकार नहीं मानती है और बातचीत के जरिए कोई रास्ता नहीं निकालती है तो कर्मचारी संगठन बड़ा आंदोलन करने से गुरेज नहीं करेगा।

प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि हमारी प्रमुख मांगों में हरियाणा कौशल रोजगार के तहत लगे हुए कर्मचारियों को जॉब सिक्योरिटी दिलाना शामिल है। इसी प्रकार सरकार कौशल रोजगार निगम में लगे कर्मचारियों का अनुभव रिकार्ड में चढ़ाए। जिन कर्मचारियों का अनुभव गलत चढ़ा हुआ है, उसे ठीक करे। जिन रैगुलर कर्मचारियों की एलटीसी पैंडिंग है, वह तुरंत प्रभाव से दी जाए। सभी कर्मचारियों के टीए बिल के रेट बढ़ाए जाएं। टीए बिल भरने की दूरी घटाई जाए। सभी कर्मचारियों के टॉर्च सैल व साबुन दिए जाएं। सभी कर्मचारियों को प्रमोशन पर स्पेशल इन्क्रीमेंट दिया जाए। कर्मचारी के ड्यूटी पर अकस्मात निधन पर तीस लाख रुपये मुआवजा दिया जाए व उनके परिवार के सदस्य को रैगुलर नौकरी दी जाए। सभी विभागों में खाली पड़े पदों पर भर्ती की जाए। सभी विभागों में प्रमोशन पेंडिंग हैं, वह तुरंत किए जाएं।

धरने को संबोधित करते हुए जिला प्रधान रमेश चंद्र यादव ने कहा कि यूनियन आज के धरने की सूचना पहले ही अधिकारियों को मीटिंग के जरिए दे चुकी है और वह प्रदेश अध्यक्ष ईश्वर सिंह शर्मा का यहां पहुंचने पर स्वागत करते हैं। उन्होंने कहा कि कोई भी आंदोलन हो, वह एकजुटता एवं संघर्ष के बिना पूरे नहीं होते हैं। इसलिए इन मांगों को लागू करवाने के लिए विभाग के सभी कर्मचारियों को एकजुटता दिखानी होगी। उन्होंने अधिकारियों एवं सरकार को चेतावनी दी कि यदि हमारी मांगें नहीं मानी गई तो वह कोई भी बड़ी से बड़ी कुर्बानी देने का तैयार हैं।

### धरने उपरांत सौंपा ज्ञापन

धरने उपरांत पब्लिक हेल्थ के अधीक्षण अभियंता 24 सूत्री मांगों वाला एक ज्ञापन सौंपा गया। एक ज्ञापन सिंचाई विभाग के अधीक्षण अभियंता को भी सौंपा गया, जिसमें जिला की पांचों ब्रांचों ने भाग लिया। सभी वक्ताओं ने अपने विचार व्यक्त किए तथा आंदोलन में बढ़-चढ़कर भाग लेने के लिए कर्मचारियों को प्रेरित किया।

### यह रहे मौजूद

इस मौके पर जिला सचिव श्योताज यादव, जिला कोषाध्यक्ष भगवान शर्मा, जिला प्रेस सचिव रामशरण यादव, राज्य संगठन सचिव विजय कुमार, सुरेश कुमार यादव, राधेश्याम शर्मा, महेन्द्रगढ़ पब्लिक हेल्थ ब्रांच से प्रधान अनिल फौजी, महेंद्र सिंह, प्रवीण, महेन्द्रगढ़ बी एंड आर से प्रधान कर्णसिंह, राजाराम, नारनौल पब्लिक हेल्थ ब्रांच से कैलाश चंद सैनी, नारनौल बी एंड आर से प्रधान बाबूलाल, जसविन्द्र सिंह, मुकेश, अटेली पब्लिक हेल्थ ब्रांच से श्योताज यादव, सुरेश कुमार, जोगेंद्र, हवासिंह, रामचंद्र शर्मा, दिलीप कुमार, भरतसिंह, सहीराम, शेरसिंह, राजवीर, बलवंत, वजन सिंह, प्रमोद व अमित सहित सैकड़ों कर्मचारी मौजूद रहे।

नारनौल। शहीदों को नमन करते हुए। फोटो: हरिभूमि

## शहीदी दिवस पर श्रद्धांजलि सभा व विचार गोष्ठी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

नर नारायण सेवा समिति की ओर से बीएसएनएल के पीछे शिव मन्दिर में शहीदे आजम भगतसिंह, राजगुरु, सुखदेव व जाने अनजाने शहीदों की याद में श्रद्धांजलि सभा व शहीदों पर विचार गोष्ठी आयोजित की गई। सभा मे मुख्य वक्ता धर्मपाल शर्मा थे। अध्यक्षता नर नारायण सेवा समिति के प्रधान रामसिंह मधुर ने की। सर्वप्रथम शहीदों की आत्मा की शान्ति के लिए दो मिनट का मौन धारण किया गया तथा शहीदे आजम भगतसिंह, राजगुरु, सुखदेव व सभी जाने अनजाने शहीदों की स्मृति में दीप प्रज्वलित व पुष्प अर्पित करके श्रद्धांजलि दी गई।

इस अवसर पर संस्था प्रधान रामसिंह मधुर ने कहा कि शहीदे आजम भगतसिंह, राजगुरु व सुखदेव क्रांतिकारियों ने हंसते हुए अपने प्राणों की आहुति इसलिए दी थी कि स्वतन्त्र भारत में सभी आर्थिक, सामाजिक विषमताओं का अन्त हो। क्रांति बम और पिस्तौल की संस्कृति नहीं है, क्रांति से अभिप्राय मौजूदा हालात को बदलने से है।

भगतसिंह ने कहा था अंगेज सोचते हैं मेरे पार्थिव शरीर को नष्ट करके भारत देश में सुरक्षित रह जाएंगे, वे मुझे मार सकते हैं, मेरे विचारों को नहीं मार सकते है। अंगेज मेरे शरीर को कुचल सकते हैं, मेरी भावनाओं को नहीं मार सकते है।

ब्रिटिश हकुमत के सिर पर मेरे विचार उस समय तक मंडराते रहेंगे, जब तक अंगेज भारत से भागने के लिए मजबूर ना हो जाए। महेशचन्द शर्मा, अशोक शर्मा, मनोहर लाल, सुमन विजेंद्र ने देशभक्ति की कविताएं सुनाई। परमानंद दिवान संरक्षक नर नारायण समिति ने बताया कि अंग्रेजों ने भारत को किस तरह से लूटा, कैसे भारत को बर्बाद किया। डा. कृष्णा आर्य ने भगत सिंह की शादी देशभक्ति गीत प्रस्तुत किया। अन्त में समिति के प्रधान रामसिंह मधुर ने नर नारायण सेवा समिति के सभी पदाधिकारियों व गणमान्य व्यक्तियों का आभार व्यक्त किया।

# बुजुर्ग और दिव्यांगों को बांटे सहायक उपकरण

- जरूरतमंदों की मदद के लिए सरकार के पास धन की कोई कमी नहीं

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

मंडी अटेली। खासपुर में सहायक उपकरण वितरित करते हुए। फोटो: हरिभूमि

क्षेत्र के गांव खासपुर में बाबा खेतानाथ जनसेवा फाउंडेशन के नेतृत्व में रेडक्रॉस नारनौल द्वारा दिव्यांग और बुजुर्गों को व्हीलचेयर, कानों की मशीन, कमर दर्द बैल्ट, घुटनों के दर्द की बैल्ट, गर्दन दर्द बैल्ट व सहारे की छड़ी इत्यादि निःशुल्क बांटी गई। इस मौके पर मुख्य अतिथि सिहमा पंचायत समिति चेयरमैन प्रतिनिधि राजकुमार व विशिष्ट अतिथि सलीमपुर की सरपंच आरती यादव रही।

मुख्य अतिथि ने बताया कि सरकार हर जरूरतमंद दिव्यांग की मदद के लिए कार्य कर रही है। जरूरतमंदों की मदद के लिए सरकार के पास धन की कोई कमी नहीं है। सरकार का प्रयास है कि दिव्यांग व्यक्ति को हर जरूरी सुविधा दी जाए। विशिष्ट अतिथि सलीमपुर की सरपंच आरती यादव ने बताया कि जिला प्रशासन का मुख्य उद्देश्य दिव्यांग जनों को योजनाओं से लाभांवित करना है। उनकी हर तरह से मदद करना भी है। हमें अपने दैनिक जीवन में बुजुर्गों का सम्मान करना चाहिए। इसके अलावा दिव्यांग जन सहानुभूति के नहीं बल्कि हमारे समाज के अभिन्न अंग हैं।

अंत में बाबा खेतानाथ जनसेवा फाउंडेशन के प्रधान संदीप ने बताया कि लगभग 20 दिन पूर्व खासपुर में कैंप आयोजन किया गया था, जिसमें बुजुर्गों व दिव्यांगजनों ने अपना रजिस्ट्रेशन करवाया था। उन सभी को रेडक्रॉस द्वारा सहायक उपकरण वितरित किए गए हैं। इस उद्देश्य को लेकर इस प्रकार के कैंपों का आयोजन रेडक्रॉस करवाती रहती है। दिव्यांग जन लाभांवित हो सकें। इस मौके पर प्रिया चौधरी, संदीप शर्मा, विक्रम सोलंकी व मुकेश कुमार आदि उपस्थित थे।

## श्रीकृष्णा स्कूल सीहमा में नए सत्र पर हवन का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

श्रीकृष्णा स्कूल सिहमा में सोमवार को नए सत्र के शुभारंभ पर यज्ञ का आयोजन किया गया, जिसमें यज्ञमान के रूप में चेयरमैन डॉ. बीरसिंह यादव व प्राचार्य डा. एसएस यादव मौजूद रहे।

कॉर्डिनेटर सुशीला यादव व स्मृति शर्मा ने बताया कि श्रीकृष्णा स्कूल सीहमा में नए सत्र को लेकर पं. अरविंद शर्मा द्वारा हवन यज्ञ करवाया गया। यज्ञ की शुरूआत स्कूल चेयरमैन डॉ. बीरसिंह यादव द्वारा मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलित व पुष्प अर्पित कर विद्या की देवी मां शारदे का आह्वान किया गया और यह प्रार्थना की गई की अद्भुत संसार में शिक्षा का द्वीप अनंत युगों तक प्रज्वलित रहे। पं. अरविंद शर्मा ने बताया कि यज्ञ का पावन उद्देश्य स्फूर्तिवान विद्यार्थियों में भारतीय संस्कृति और संस्कारों के प्रति जागरूक करना था। उन्होंने विद्यार्थियों को भारतीय संस्कृति गौरवमय इतिहास तथा आधुनिक विकास के लिए प्रेरित किया। यज्ञ कार्यक्रम में सभी कक्षाओं के विद्यार्थियों व शिक्षकों ने भाग लिया। चेयरमैन डॉ. बीरसिंह यादव ने कहा कि विद्यार्थी हमारी सभी आकांक्षाओं का केंद्र होते है।

महेंद्रगढ़। हवन में आहुति डालते चेयरमैन डॉ. बीरसिंह यादव व विद्यार्थी।

नारनौल। समारोह में भाग लेते बच्चे। फोटो: हरिभूमि

### सिटी किड्स स्कूल में मनाया वार्षिकोत्सव समारोह

**नारनौल।** मोहल्ला नई सराय स्थित सिटी किड्स स्कूल का वार्षिकोत्सव एवं पारितोषिक वितरण समारोह धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर सरपंच नीरज राव मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने कार्यक्रम में भाग लेने वाले तथा मेधावी बच्चों को पुरस्कृत भी किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता स्कूल प्राचार्या संतोष यादव ने की। इस अवसर पर स्कूल के बच्चों ने मनमोहक सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। जिनको देखकर बच्चों के पेरेंटस भी गदगद हो गए। बच्चों की ओर से प्रस्तुत किए गए नृत्य नाटिका अ वतन अ वतन पर सभी के रोंगटे खड़े हो गए तथा आंखें भर आई। वहीं बच्चों ने शिव तांडव भी प्रस्तुत किया। जिसकी सभी ने सराहना की। इस अवसर पर स्कूल प्राचार्य ने वार्षिक रिजल्ट भी निकाला तथा रिपोर्ट पढ़कर सुनाई। कार्यक्रम में मनीष यादव बाबा इंडस्ट्रीज, विनोद सैनी, कविता यादव, तरुणा सैनी, सुमन सैनी, मिनाक्षी सैनी, मुस्कान, कपिल, खुशी आर्य, भूमि गर्ग, सुधा सैनी, महेंद्र सैनी व प्रीतम कुमार आदि मौजूद रहे।

## नेशनल मॉडल स्कूल में हवन के साथ हुई नए सत्र की शुरुआत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

नेशनल मॉडल स्कूल में हवन यज्ञ कर नए सत्र की शुरूआत की गई। प्राचार्य ओमप्रकाश यादव, संचालक प्रमोद शास्त्री स्टाफ सदस्य व बच्चे हवन में उपस्थित रहे। प्राचार्य ने सभी बच्चों को नए सत्र की शुभकामना देते हुए उनके उज्वल भविष्य की कामना की। प्राचार्य ने कहा कि आप प्रारंभ से ही अपना लक्ष्य निर्धारित करके आगे बढ़े। स्कूल में प्रतियोगी परीक्षाओं की जो तैयारी करवाई जा रही है, उसकी भी आप साथ-साथ तैयारी करते रहे। प्राचार्य ने बल देकर कहा कि शिक्षा संस्कार के लिए संस्कार होनी चाहिए, संस्कारविहीन नहीं। शिक्षा आजीवक के साथ-साथ जीवन के लिए भी होनी चाहिए। व्यक्ति कितना भी शिक्षित क्यों नहीं हो यदि उसके जीवन में संस्कार नहीं है तो वह पशुवत है। आपका-अपना यह विद्यालय संस्कारों की पाठशाला है। यहां भारतीय जीवन मूल्य व परंपराओं से युक्त शिक्षा दी जाती है। इसलिए यहां पढ़ने वाला प्रत्येक बच्चा अपने आप को गौरवान्वत महसूस करता है।

महेंद्रगढ़। नए सत्र पर हवन करते हुए। फोटो: हरिभूमि

नारनौल। राव नेतराम स्कूल के विद्यार्थी। फोटो: हरिभूमि

### राव नेतराम स्कूल के विद्यार्थियों ने दी परीक्षा

**नारनौल।** भारत सरकार की ओर से आयोजित इसरो युविका परीक्षा में राव नेतराम पब्लिक स्कूल सलीमपुर के पांच विद्यार्थी शामिल हुए। विद्यालय प्राचार्य अनिता देवी ने विद्यार्थियों, अध्यापकों व अभिभावाकों को बधाई देते हुए बताया कि इसरो युविका परीक्षा प्रत्येक वर्ष सरकार की ओर से करवाई जाती है। जिसमें देश के विभिन्न राज्यों से विद्यार्थी भाग लेते है। इस परीक्षा परिणाम में राव नेतराम पब्लिक स्कूल के विद्यार्थी भूमिका पुत्री धर्मबीर, किरण पुत्री संजय, आयुष पुत्र मोहनलाल, सुमित पुत्र श्याम मनोहर, लक्षिता पुत्र कुबेर सिंह ने परीक्षा मे अपना दमखम दिखाया। इस परीक्षा में चयन होने वाले विद्यार्थी को भारत सरकार की ओर से नासा में सात दिवसीय कार्यक्रम में भाग लेने का मौका मिलेगा तथा इससे सम्बिधित जानकारी विद्यार्थी को दी जाएगी। उन्होंने विज्ञान के क्षेत्र में रूचि रखने वाले विद्यार्थियों के लिए सरकार के इस कदम को सराहनीय पहल बताया। इस मौके पर राजबाला आदि स्कूल स्टाफ मौजूद था।

## मंथन

## सात व आठ अप्रैल को जिला महेंद्रगढ़ में रहेगी साइक्लोथॉन रैली

साइक्लोथॉन की तैयारियों को लेकर डीसी ने की बैठक

# हरियाणा उदय: नशामुक्त हरियाणा अभियान के तहत सीएम सिरसा से करेंगे साइक्लोथॉन 2 का आगाज

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के दिशानिर्देश पर हरियाणा उदय के तत्वावधान में नशामुक्त हरियाणा अभियान के तहत पांच से 27 अप्रैल तक एक साइकिल यात्रा नशा मुक्ति के नाम साइक्लोथॉन 2.0 का आयोजन किया जाएगा। यात्रा प्रदेश के सभी जिलों को कवर करेगी। इसी कार्यक्रम की तैयारियों के संबंध में सोमवार को उपायुक्त डा. विवेक भारती ने लघु सचिवालय में विभिन्न विभागों के अधिकारियों की बैठक ली।

डीसी ने बताया कि आमजन को एक स्वस्थ जीवनशैली के प्रति प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से इस प्रदेश स्तरीय अभियान का मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी पांच अप्रैल को हिसार से हरी झंडी दिखाकर आगाज करेंगे। इसका समापन 27 अप्रैल को सिरसा में होगा। साइक्लोथॉन पूरे हरियाणा को कवर करेगी। जिला महेंद्रगढ़ में यह यात्रा सात व आठ अप्रैल को रहेगी। इस कार्यक्रम में तीनों एसडीएम ओवरऑल इंचार्ज रहेंगे। लोगों को जागरूक करने में ग्राम पंचायतों का भी अहम रोल रहेगा।

उन्होंने बताया कि यह कार्यक्रम जन भागीदारी के साथ जिला में आयोजित करवाया जाएगा। इसमें पुलिस विभाग, शिक्षा विभाग, खेल विभाग, जिला समाज कल्याण विभाग, नेहरू युवा केंद्र व रेडक्रॉस की ओर से विशेष भागीदारी रहेगी। प्रत्येक स्टॉप पर मोटिवेशनल स्पीकर आम नागरिकों से नशा मुक्ति का आह्वान करेंगे। इस बैठक में महेंद्रगढ़ के एसडीएम अनिल यादव, नांगल चौधरी के एसडीएम मनोज कुमार, नगराधीश मंजीत कुमार, डीएसपी सुरेश कुमार के अलावा अन्य अधिकारी भी मौजूद थे।

नारनौल। इसाइक्लोथॉन 2.0 के संबंध में अधिकारियों की बैठक लेते डीसी डा. विवेक भारती।

### बागोत से जिले में प्रवेश करेगी साइक्लोथॉन

उपायुक्त डा. विवेक भारती ने बताया कि हरियाणा उदय के तत्वावधान में सात अप्रैल को साइक्लोथॉन 2.0 जिला चरखी दादरी के गांव चिड़िया से जिला महेंद्रगढ़ के गांव बागोत में प्रवेश करेगी। यह साइक्लोथॉन बागोत से सेहलंग, मालड़ा, माजरा कलां, माजरा खुर्द, महेंद्रगढ़ नांगल सिरोही से होते हुए हुडिना में संपन्न होगी। अगले दिन आठ अप्रैल को सुबह नूनी अव्वल से शुरू होकर बाछौद, खोड़, सलीमपुर, चंदपुरा गांव से होते हुए रेवाड़ी जिला में प्रवेश करेगी।

## बाल फूलवारी स्कूल के संस्थापक सुरेंद्र कुमार का निधन

**महेंद्रगढ़।** बीएचडी इंस्टीट्यूट और बाल फूलवारी स्कूल के संस्थापक रिटायर्ड ड्राइंग मास्टर सुरेंद्र कुमार का 21 मार्च को हृदय गति रूकने से निधन हो गया। 22 मार्च को रिवासा में उनका अंतिम संस्कार किया गया। उनके पुत्र पारस यादव और पोते प्रथम ने उनको मुख्याग्नि दी। स्वर्गीय सुरेंद्र कुमार अपने पीछे माता धनपति देवी, पत्नी सविता देवी, पुत्र पारस यादव, पुत्रवधु संगीता यादव, पोता-पोती सहित भरापूरा परिवार छोड़कर गए हैं। स्वर्गीय सुरेंद्र यादव सबका हित चाहने वाले बहुत ही मिलनसार स्वभाव के व्यक्ति थे। जिससे भी एक बार मिलते थे अपने स्वभाव से उसे अपना बना लेते थे। शिक्षा जगत में उन्होंने एक शिक्षक के रूप में 30 वर्षों से अधिक कला अध्यापक के रूप में कार्य कर महेंद्रगढ़ के गांव बैरावास, बेरी, झुक गांव में अपनी सेवाएं दी। उनके निधन पर उनके निवास स्थान अनाज मंडी में पूर्व विधायक राव दान सिंह, विधायक कंवर सिंह, पूर्व विधायक राव बहादुर सिंह ठेकेदार, डॉ. बीर सिंह, बिजेंद्र चेयरमैन, कप्तान सुरेंद्र, बसंत सेठ, बालू नागलिया, राजकुमार आदि ने शोक प्रकट किया। इस मौके पर देवेंद्र, महेंद्र, विक्रम, शक्ति, पारस, पूर्व पार्षद डॉ. तरूण यादव सहित अनेक लोग उपस्थित रहे।

### सूचना

मैं, श्रीमती शान्ति देवी धर्मपत्नी स्व. श्री श्रीराम निवासी मकान नं. 279/6 धोलिया की सिल्ली छत्ते वाली गली वार्ड नं. 6 नारनौल तहसील नारनौल जिला महेन्द्रगढ़ हरियाणा बयान करती हूं कि मेरा पुत्र रामकिशन व उसकी पत्नी लक्ष्मी व दूसरा पुत्र हुक्म सिंह व उसकी पत्नी सीता देवी व तीसरा पुत्र रामस्वरूप व उसकी पत्नी अनिता व ललिता विधवा व अशोक पुत्र स्व. श्री जगदीश पुत्र शान्ति देवी मेरे कहने-सुनने से बाहर हैं। इसलिये मैं अपने उपरोक्त पुत्रों व पुत्रवधु और पौत्र को अपनी चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल करती हूं। इनसे लेन-देन, व्यवहार करने वाला स्वयं जिम्मेवार होगा। मेरी व मेरे परिवार की कोई जिम्मेवारी नहीं होगी।

**सरपंच ग्राम पंचायत, बिगोपुर**
तहसील नांगल चौधरी (जिला महेंद्रगढ़) हरियाणा

गांव बिगोपुर में पुराना स्कूल भवन जिसमें पंद्रह कमरों को अस्थाई रूप से आवासीय प्रयोग के लिए किराए पर देने हेतु खुली बोली के माध्यम से छोडा जाएगा। जिसके लिए दिनांक 01.04.2025 को प्रातः 11 बजे पुराना स्कूल भवन नजदीक करेस्सर जोन में मौके पर बोली आयोजित की जाएगी। इच्छुक व्यक्ति / फर्म मौके पर उपस्थित होकर बोली प्रक्रिया में भाग ले सकते हैं। बोली की शर्त मौके पर बोली शुरू होने से पहले बता दी जाएगी।

संपर्क, सरपंच ग्राम पंचायत बिगोपुर
फोन– 9416332290, 8307121649

# 9 माह बाद भी स्टेशन का निर्माण कार्य नहीं हुआ पूरा, अभी 6 माह का लग सकता है समय

आदर्श रेलवे स्टेशन का भवन

## महेंद्रगढ़ स्टेशन के पुनर्विकास पर खर्च होने हैं छह करोड़ 59 लाख रुपये

- 55 लाख की लागत से रेलवे स्टेशन पर कोच इंडक्शन, डिजिटल बोर्ड व एलईडी लाइट लगाने का काम हुआ पूरा
- 8 .97 करोड़ की लागत से 12 मीटर चौड़े पैदल पुल का किया जाएगा निर्माण

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत महेंद्रगढ़ रेलवे स्टेशन के पुनर्विकास कार्यों निर्धारित समयावधि नौ माह बीत जाने के बाद निमार्ण कार्य पूरा नहीं हो पाया है। अभी भी रेलवे स्टेशन का निर्माण कार्य पूरा होने में छह माह का समय लग सकता है।

बता दें कि केंद्र सरकार की ओर से देश के विभिन्न रेलवे स्टेशनों पर सुविधा बढ़ाने का निर्णय लिया है। अमृत भारत योजना के तहत बीकानेर मंडल के 15 रेलवे स्टेशन पर विभिन्न निर्माण किए जाएंगे। वहीं महेंद्रगढ़-भिवानी लोकसभा महेंद्रगढ, भिवानी, चरखी दादरी व नारनौल रेलवे स्टेशन को भी इस योजना में शामिल किया गया था। पिछले दिनों सांसद धर्मबीर सिंह ने रेलवे के अधिकारियों के साथ रेलवे स्टेशन का दौरा भी किया था। प्रथम चरण में छह करोड़ 51 लाख रुपये की लागत के कार्य कराए जा रहे हैं। इन कार्यों में सर्कुलेटिंग क्षेत्र में यातायात संचालन में सुधार और हरित पट्टी विकसित करना तथा समर्पित पार्किंग स्थान के साथ सर्कुलेटिंग क्षेत्र का सौंदर्यीकरण, स्टेशन भवन के अग्रभाग में सुधार और प्रकाश व्यवस्था के उन्नयन कार्य, वीआईपी कमरे और नए शौचालय ब्लॉक का प्रावधान, आधुनिक फिटिंग के साथ मौजूदा शौचालय ब्लॉकों का नवीनीकरण, प्लेटफॉर्म शेल्टर का प्रावधान और मौजूदा प्लेटफॉर्म शेल्टरों की जीआई शीट का प्रतिस्थापन, मौजूदा स्टेशन भवन का नवीनीकरण होगा।

### जून 2024 में निर्माण कार्य होना था पूरा

महेंद्रगढ़ स्टेशन पर कोच गाइडेंस सिस्टम, ट्रेन इंडिकेशन बोर्ड, जीपीएस आधारित घड़ियां, आउटडोर वीडियो डिस्प्ले यूनिट, टीवी तथा स्पीकर्स का भी प्रावधान इस योजना के अंतर्गत किया गया है। जिन पर लगभग 55 लाख रुपये का व्यय होगा। साथ ही 12 मीटर चौड़े पैदल पुल का भी प्रावधान किया गया है जिसकी लागत लगभग आठ करोड 97 लाख है। यह सभी निर्माण जून 2024 में पूरे होने थे, लेकिन अभी काफी कार्य शुरू तक नहीं हो पाए हैं। अभी रेलवे स्टेशन के निर्माण कार्य पूरा होने में छह माह का समय लग सकता है।

### वर्ष 1942 में चली थी पहली ट्रेन

बता दें कि वर्ष 1936 में रेवाड़ी-बीकानेर रेलवे लाईन के सर्वे का काम शुरू हुआ था। एक साल बाद वर्ष 1937 में सर्वे का काम पूरा हुआ। वर्ष 1940 में रेवाड़ी से बीकानेर तक मीटर गेज लाईन बिछाई गई थी तथा वर्ष 1942 में दिल्ली से बीकानेर तक पहली मीटर गेज ट्रेन का संचालन किया गया था। वहीं वर्ष 2008 में मीटर से ब्राड गेज लाईन बिछाई गई थी। इसके बाद वर्ष 2020 में रेवाड़ी से सादलपुर तक इलैक्ट्रिक लाईन बिछाने का काम शुरू किया गया था तथा वर्ष 2021 में इलैक्ट्रिक लाइन पर ट्रायल किया गया था, लेकिन अभी तक इस रूट इलैक्ट्रिक ट्रेन का संचालन शुरू नहीं हो पाया है।

## खबर संक्षेप

नारनौल। एसआई के पद पर पदोन्नत होने पर स्टार लगाकर बधाई देती एसपी पूजा वशिष्ठ। फोटो : हरिभूमि

### पदोन्नत होने पर एसपी ने स्टार लगाकर दी बधाई

**नारनौल।** जिले में सहायक उप निरीक्षक के पद पर तैनात विजेंद्र सिंह प्रमोशन के बाद उप निरीक्षक बन गए। एसपी पूजा वशिष्ठ ने अपने कार्यालय में उनको स्टार लगाया प्रमोशन की बधाई दी। जिले में विजेंद्र सिंह महाबीर चौकी में बतौर अनुसंधानकर्ता तैनात हैं, जिनका प्रमोशन हो गया है और उप निरीक्षक बन गए हैं। साथी पुलिस कर्मियों ने प्रमोशन मिलने पर खुशी जताई है। साथ ही एसपी ने बेहतर सुरक्षा ड्यूटी के लिए प्रोत्साहित किया। एसआई के पद पर पदोन्नत होने वाले विजेंद्र सिंह 2003 में पुलिस विभाग में भर्ती हुए थे।

### नवनिर्वाचित पार्षद व प्रधान आज लेंगे शपथ

**मंडी अटेली।** अटेली के नवनिर्वाचित नगर पार्षद व प्रधान को पंचकूला में 25 मार्च को शपथ दिलाई जाएगी। शपथ ग्रहण समारोह पंचकूला स्थित इंद्रधनुष ऑडिटोरियम सेक्टर पांच में होगा। जानकारी देते हुए नपा के सचिव अनिल कुमार ने बताया कि अटेली के सभी 12 पार्षदों व प्रधान को सूचना प्रेषित कर दी है। शपथ अर्बन लोकल बॉडी के डायरेक्टर पंकज यादव दिलाएंगे। समारोह 10 बजे से प्रारंभ होगा।

### मानव यादव ने एलएलएम डिग्री की हासिल

**महेंद्रगढ़।** मानव यादव शंकर कॉलोनी निवासी एडवोकेट मानव यादव आर्य पुत्र प्रदीप यादव ने क्रिमिनल लॉ एवं साइबर में एलएलएम डिग्री हासिल कर आल इंडिया बार एग्जामिनेशन में सफल होकर पूरे क्षेत्र का नाम रोशन किया है। एडवोकेट मानव आल इंडिया बार एग्जामिनेशन में 19वीं रैंक हासिल की है। उन्होंने इस सफलता का श्रेय अपने दादा-दादी व माता-पिता एवं गुरुजनों को दिया। मानव अपने दादा महावीर प्रसाद पटवारी व दादी आर्या केसर देवी को अपना प्रेरणा स्रोत व मार्गदर्शक माना है।

### फूड कोर्ट को दिया जाएगा लीज पर, बोलीदाता आमंत्रित

**नारनौल।** अंबाला कैंट में निर्माणाधीन आजादी की पहली लड़ाई का शहीद स्मारक के आठ फूड कोर्ट को लीज पर देने के लिए एक टेंडर लगाकर बोलियां आमंत्रित की गई है। इच्छुक उम्मीदवार 15 अप्रैल तक बोलियां लगा सकते है। टेंडर के लिए दस्तावेज व अन्य शर्तें वेबसाइट से डाउनलोड कर सकते हैं। यह जानकारी देते हुए जिला सूचना एवं जनसंपर्क अधिकारी संजय कुमार ने बताया कि भारत की आजादी की पहली लड़ाई 1857 की क्रांति में अपनी वीरता दिखाने वाले एवं शहीद हुए वीरों की याद में अंबाला कैंट में नेशनल हाईवे 44 पर आजादी की पहली लड़ाई का शहीद स्मारक का निर्माण किया जा रहा है। यह एशिया का सबसे बड़ा स्मारक बनाया जा रहा है। इसमें प्रतिदिन हजारों लोगों का आवागमन होगा।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
महेन्द्रगढ़ :- हरिभूमि कार्यालय, हुड्डा पार्क के सामने, डाक्टर भगत डैंटल अस्पताल वाली गली, नजदीक बस स्टैंड, महेंद्रगढ़।
नारनौल :- सत्य प्लाजा, प्रथम तल, तरुण कलर लैब वाली गली, नजदीक बस स्टैंड, नारनौल
फोन : 8295738500, 9253681005

### सड़क सुरक्षा के नियमों के प्रति किया जागरूक

**नारनौल।** राजकीय महाविद्यालय कृष्ण नगर की ओर से राजकीय उच्च विद्यालय बलाहा कलां में चल रहे राष्ट्रीय सेवा योजना के सात दिवसीय विशेष शिविर के छठे दिन सोमवार को बलाहा कलां में सड़क सुरक्षा अभियान के तहत जागरूकता रैली निकाली। राजकीय उच्च विद्यालय की मुख्याध्यापिका पूनम ने रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। रैली के माध्यम से स्वयंसेवकों ने विभिन्न नारों से सड़क सुरक्षा के नियमों के प्रति ग्रामवासियों को जागरूक किया। ग्रामवासियों को सड़क सुरक्षा के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि सड़क पर वाहन चलाते समय हमेशा सड़क सुरक्षा के नियमों का पालन करना चाहिए, ताकि हम अपने व दूसरों के जीवन को बचा सके। इस अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किए गए। प्रातः कालीन सत्र में स्वयंसेवकों ने राजकीय उच्च विद्यालय बलाहा कलां में पौधारोपण अभियान चलाकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। सायंकालीन सत्र में महाविद्यालय से डा. नवीन कुमार ने सड़क सुरक्षा पर विस्तार से व्याख्यान दिया।

### एसडीएम ने सरसों की ढेरियों पर पहुंच कर दिए आवश्यक दिशा-निर्देश

# अटेली अनाज मंडी में सरसों की आवक शुरू, पहले दिन 237 क्विंटल खरीदी

- पहले दिन 11 किसानों की 237 क्विंटल खरीद हुई,दो किसानों की अधिक नमी के कारण हुई रिजेक्ट

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मंडी अटेली

मंडी अटेली। सरसों की खरीद करवाते हुए एसडीएम रमित कुमार व मंडी अटेली मार्केट कमेटी में आढ़तियों से मंत्रणा करते हुए एसडीएम रमित कुमार।

अटेली अनाज मंडी में सोमवार को सरसों की आवक शुरू हो गई। पहले दिन 11 किसानों की 237 क्विंटल खरीद हुई। दो किसानों की अधिक नमी के कारण रिजेक्ट हुई, इस सरसों को तय मापदंड के बाद नमी होने पर खरीदी जाएगी। एसडीएम रमित यादव ने दोपहर बाद अनाज मंडी में सरसों की ढेरियों में पहुंच कर आवश्यक निर्देश दिए। पहले दिन 12 गेटपास कटे तथा समाचार लिखे जाने तक 262 क्विंटल की आवक हुई। खरीद से पहले एसडीएम रमित कुमार, मार्केट कमेटी की सचिव सुनीता, सहायक सचिव संजय कुमार, खरीद एजेंसी हैफेड के मैनेजर रोशन लाल व आढ़तियों से विस्तारपूर्वक मंत्रणा की। किसानों की आवक खरीद तारीख के 10 दिन बाद आवक शुरू हुई है। मंडी में गत सीजन में 3 लाख क्विंटल सरकारी व प्राइवेट खरीद हुई थी, देखना है कि अबकी बार कितनी होती है।

मार्केट कमेटी सचिव सुनीता ने बताया कि कमेटी की तरफ से खरीद के व्यापक प्रबंध किए हुए हैं। किसानों को किसी प्रकार की दिक्कत नहीं आने दी जाएगी। अटेली अनाज मंडी की लंबे समय से ग्रीन बेल्ट की सफाई व्यवस्था की गई है। एसडीएम रमित कुमार ने कहा कि नकली सरसों व राजस्थान की खरीद रोकने के लिए व्यापक प्रबंध किए गए हैं।

धर्मकांटा को चलाने के लिए आवश्यक निर्देश दिए गए हैं। किसानों को किसी प्रकार की दिक्कत नहीं आने दी जाएगी। सचिव ने बताया कि कमेटी के कर्मियों ने ग्रीन बेल्ट के एरिया की सफाई जेसीबी के अलावा मंडी परिसर में दीवार पर गंदगी फैलाने वालों व दूसरी हिदायतों के बारे में पेंटर द्वारा वाल राईटिंग करवाई गई है।

### मंडी में आ चुका ढाई लाख का बारदाना

हैफेड के मैनेजर रोशन लाल यादव ने बताया कि मंडी में ढाई लाख का बारदाना आ चुका है। पहले नेफेड द्वारा सरसों की खरीद की जाएगी, उसके बाद बची हुई फसल हैफेड खरीदेगा। किसानों से अनुरोध है कि वह अपनी फसल को अच्छी तरह साफ और सुखाकर लाएं, ताकि उन्हें बेचने में परेशानी न हो।

### झरने का इस्तेमाल जरूरी

*मार्केट कमेटी सचिव सुनीता देवी ने कहा कि फसलों की गुणवत्ता बनाए रखने के लिए झरने का इस्तेमाल जरूरी है। अक्सर देखा गया है कि बिना साफ किए अनाज को कट्टों में भर दिया जाता है। इससे गोदामों में फसल रिजेक्ट हो जाती है। मंडी सुपरवाइजर अनिल कुमार व पंकज कुमार ने मंडी में आने वाली सरसों को बराबर निरीक्षण पर रहे। आढ़तियों और खरीद एजेंसियों को तय मानकों का पालन करना होगा। कवर्ड शेड को खाली कराकर केवल सीजन की फसलें रखने की व्यवस्था की गई है। मंडी के मुख्य गेट पर सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं, जिससे आने-जाने वालों पर नजर रखी जाएगी। किसानों व मजदूरों को अटल कैंटीन में 10 रुपये में भोजन मिल रहा है। मंडी में ढाई लाख बारदाना पहुंच गया है पहले नेफेड सरसों खरीदेगा।*

# हरियाणा एनसीआर दिल्ली में धीरे-धीरे पैर पसारने लगी गर्मी

- मार्च महीने में आमतौर पर मौसम बना रहता है सुहावना

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

हरियाणा एनसीआर दिल्ली में पिछले कुछ दिनों से लगातार मौसम शुष्क व साफ बना हुआ। सम्पूर्ण इलाके में तापमान में उछाल व धीरे-धीरे गर्मी अपने पैर पसारने लगी हैं। वर्तमान में किसी भी मौसम प्रणाली का असर न होने से सम्पूर्ण इलाके में लगातार मौसम शुष्क व साफ बना हुआ है, साथ ही सम्पूर्ण मैदानी राज्यों हरियाणा एनसीआर दिल्ली में लगभग एक पखवाड़े से पहले ही तापमान में बढ़ोतरी दर्ज हो रही है। सम्पूर्ण भारत वर्ष में जलवायु परिवर्तन का असर साफ तौर पर देखने को मिल रहा है। इसके साथ ही हरियाणा एनसीआर दिल्ली में लगातार मौसम चक्र में बदलाव देखने को मिल रहा है।

बता दें कि मार्च महीने में आमतौर पर मौसम सुहावना बना रहता है। अप्रैल महीने के पहले पखवाड़े के अंत में आमतौर पर गर्मी अपने रंग दिखाने लगती है, लेकिन इस साल मार्च महीने में ही तापमान में उछाल देखने को मिल रहा है। वर्तमान में दिन में सूर्य देव की चटक व चमकदार धूप खिली रहने और पश्चिमी हवाएं चलने से दिन के तापमान में बढ़ोतरी देखने को मिल रही है।

सोमवार को सम्पूर्ण हरियाणा एनसीआर दिल्ली में अधिकतर स्थानों पर दिन के तापमान में बढ़ोतरी दर्ज हुई है। अधिकतर स्थानों पर दिन के तापमान 31.7 डिग्री सेल्सियस से 38.4 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया। दिन के तापमान सामान्य से अधिक बने हुए हैं, जबकि रात के समय उत्तरी हवाएं चलने से हरियाणा एनसीआर दिल्ली में अधिकतर स्थानों पर रात्रि तापमान में सामान्य से नीचे बने हुए हैं। सोमवार को हरियाणा एनसीआर दिल्ली में अधिकतर स्थानों पर रात्रि तापमान 12.0 डिग्री सेल्सियस से 17.0 डिग्री सेल्सियस के बीच दर्ज किया गया, यानी सम्पूर्ण इलाके में अभी मीठी ठंड का असर जारी है।

### क्या कहते है मौसम विशेषज्ञ

मौसम विशेषज्ञ डा. चन्द्र मोहन ने बताया कि एक नया कमजोर पश्चिमी विक्षोभ 27 मार्च को सक्रिय होने से सम्पूर्ण इलाके में लगातार 27 मार्च तक तापमान में और अधिक वृद्धि होगी। इसके बाद हल्की राहत के आसार बन रहे हैं। इस दौरान तेज गति से धरातलीय हवाएं चलेंगी। हरियाणा एनसीआर दिल्ली में अधिकतम व न्यूनतम तापमान क्रमशः 36 से 40 डिग्री सेल्सियस तथा 19 से 21 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना है। सुबह के समय मुख्य सतही हवाओं की दिशा उत्तर पश्चिम दिशा से और गति 12 से 14 किमी प्रति घंटे की होगी, जबकि दोपहर में सतही हवा की गति धीरे धीरे बढ़कर उत्तर पश्चिम दिशा से 16 से 20 किमी प्रति घंटे हो जाएगी, जबकि शाम व रात के समय यह गति उत्तर पश्चिम दिशा से 12 किमी प्रति घंटे से कम हो जाएगी। जिला में नारनौल व महेंद्रगढ़ का दिन तथा रात का तापमान क्रमशः 36.5, 12.3 डिग्री सेल्सियस, 37.2 व 12.9 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

# नेचर इंडेक्स में हकेंवि अग्रणी संस्थान के रूप में उभरा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय को प्रतिष्ठित जर्नल नेचर द्वारा जारी नेचर इंडेक्स में भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) और भारतीय विज्ञान संस्थान (आईआईएससी) सहित विभिन्न भारतीय विश्वविद्यालयों के साथ अनुसंधान में अग्रणी स्थान प्राप्त हुआ है। उच्च गुणवत्ता वाले शोध आउटपुट के मौंचे पर हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय को 94वां स्थान प्राप्त हुआ है जबकि बीते वर्ष 2023 में हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय को 152वां स्थान प्राप्त हुआ था। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने वर्ष 2024 के दौरान विश्वविद्यालय द्वारा की गई प्रगति पर संतोष व्यक्त किया।

उन्होंने शिक्षा, शोध व नवाचार के क्षेत्र में विश्वविद्यालय की स्थिति को बेहतर करने के निरंतर प्रयासों में विश्वविद्यालय सहभागियों की प्रतिबद्धता की सराहना की और इस उपलब्धि को विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं और संकाय सदस्यों को समर्पित किया। यहां बता दें कि नेचर जर्नल द्वारा प्राकृतिक विज्ञान और स्वास्थ्य विज्ञान के क्षेत्रों से अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त शोध पत्रिकाओं से प्रकाशनों का चयन करके अनुसंधान नेतृत्व रैंकिंग निर्धारित की जाती है।

पत्रिकाओं का चयन उनके क्षेत्रों के अग्रणी वैज्ञानिकों के एक स्वतंत्र पैनल द्वारा प्रतिष्ठा के आधार पर किया जाता है। भारतीय विज्ञान संस्थान हिस्सेदारी के मामले में पहले स्थान पर रहा। हकेंवि के आंतरिक गुणवत्ता एवं आश्वासन प्रकोष्ठ (आईक्यूएसी) के उपनिदेशक प्रो. सुरेंद्र सिंह ने कहा कि विश्वविद्यालय राष्ट्र के विकास में योगदान देने के लिए निरंतर अनुसंधान के मोर्चे पर कार्य कर रहा है।

### भूतपूर्व सैनिक विकास संघ की हुई बैठक

**महेंद्रगढ़।** भूतपूर्व सैनिक विकास संघ के अध्यक्ष सूबेदार रामस्वरूप यादव की अध्यक्षता में एक विशेष बैठक आयोजित की गई। संघ उपाध्यक्ष कप्तान राजेंद्र सिंह खेड़ा ने बताया कि विशेष बैठक का मसला था कि पंजाब प्रांत के पटियाला शहर में एक सर्विंग आफिसर कर्नल पुष्पेंद्र सिंह बाठ और उनके बेटे अंगद बाठ के साथ पंजाब पुलिस के 12 जवानों ने मारपीट की। इस अभद्रतापूर्ण घटना की भूतपूर्व सैनिक विकास संघ घोर निंदा करता है, क्योंकि इस घटना से सैनिकों के मनोबल पर गहरा असर पड़ेगा, जो खुद सुरक्षित नहीं है। वह दुश्मन से क्या लड़ेगा, यह घटना पूरे सैन्य समुदाय चाहे वो सर्विस में हो या पूर्व सैनिक हो उनके लिए बहुत ही अपमानजनक है। यह घटना सर्विंग सोल्जर और पूर्व सैनिकों के लिए बहुत ही अपमानिय है। इसलिए हम रक्षा मंत्रालय एवं भारत सरकार से यह मांग करते हैं कि इसकी जांच सीबीआई से कराई जाए और दोषी पुलिस कर्मियों के साथ सख्त से सख्त कार्रवाई की जाए।

# 71 हजार रुपये का कामड़ा दिनेश गोदड़ी ने संजय जैलाफ को हराकर जीता

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मंडी अटेली

नारनौल। सेढ माता मंदिर में गांव के समाजसेवी ओमपाल सम्मानित करते हुए।

अटेली क्षेत्र से सटे गांव शिवदानसिंहपुरा बंथला निर्झर स्थित सेढ माता मंदिर परिसर में भव्य मेले, भण्डारे और कुश्ती दंगल का आयोजन किया गया। श्रद्धालुओं ने माता के दरबार में मत्था टेक कर कामना की और मेले मे लगी दुकानों पर खरीदारी की।

मुख्य निर्णय रणवीर सिंह यादव और संचालनकर्ता कृष्ण कुमार अध्यापक ने बताया कि कुश्ती दंगल में हिंद केसरी, राजस्थान, हरियाणा और दिल्ली केसरी पहलवानों ने दमखम दिखाया।

खेलकूद प्रतियोगिता की विजेता टीमों की ईनाम राशि युवा भामाशाह ओमपाल दिल्ली पुलिस ने पुरस्कृत किया। कुश्ती दंगल मे 31 हजार रुपये की कुश्ती आशीष गोदड़ी और रोहित लाडपुर के बीच बराबरी पर रही और 71 हजार रुपये कामड़े की कुश्ती में दिनेश गोलिया गोदड़ी ने संजय जैलाफ को हराकर कामड़ा जीता।

कुश्ती निर्णायक की भूमिका रामवतार राजस्थान पुलिस, कर्मवीर पहलवान, तेज सिंह गंडाला और सुगन वाल्मीकि ने निभाई। मेले मे जलपान, शांति, सुरक्षा और पार्किंग की व्यवस्था युवा सेढ माता सेवा समिति के सदस्यों ने देखी। मेले मे भंडारा सेठ भगवानदास जैन नारनौल की तरफ से दिया गया।

मंथन | अग्रवाल सभा ने की किन्नर समाज को भेंट स्वरूप दी जाने वाली राशि निर्धारित

# लड़के की शादी में 5100 और कुआं पूजन पर 3100 से अधिक पैसा नहीं देगा अग्रवाल समाज

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

नारनौल। बैठक करते सभा के पदाधिकारी व अन्य। फोटो : हरिभूमि

अग्रवाल सभा की बैठक प्रधान प्रेमचंद गुप्ता एडवोकेट की अध्यक्षता में सभा भवन में हुई। जिसमें उपस्थित लोगों ने सर्वसम्मति से निर्णय लिया कि परिवार में होने वाले विवाह समारोह आदि में किन्नर समाज को भेंट देने लिए एक राशि निश्चित की जाए। इस विषय पर प्रस्ताव पास किया गया। लड़के की शादी के उपलक्ष्य में 5100, कुआं पूजन के उपलक्ष्य में 3100 व नूतन गृह प्रवेश के उपलक्ष्य में 1100 रुपये की राशि किन्नर समाज को भेंट स्वरूप दी जाएगी। इस कार्य को क्रियान्वित करने के लिए प्रधान प्रेमचंद गुप्ता एडवोकेट की अध्यक्षता में एक 15 सदस्य कमेटी का गठन किया गया। जिसमें बद्री प्रसाद गर्ग, सतीश कंछल, रामानंद अग्रवाल, संदीप गुप्ता नूनीवाला, अनिल गुप्ता एडवोकेट, सुदर्शन बंसल, बजरंग लाल अग्रवाल, नरेश बंसल, प्रधान रामजीलाल मित्तल, सुभाष चंद्र गर्ग, पूर्व पार्षद भगवान दास को शामिल किया गया।

इन सदस्यों के अलावा अग्रवाल सभा के सभी पदाधिकारी इस कमेटी के सदस्य होंगे, जो शीघ्र एक पत्र द्वारा उपायुक्त, पुलिस अधीक्षक व शहर थाना अध्यक्ष को समाज द्वारा लिए गए निर्णय से अवगत कराएगा। बैठक में उपस्थित सदस्यों ने भी सुझाव दिया कि रेवाड़ी रोड स्थित शमशान घाट पर भी अव्यवस्था का माहौल है। इस पर निर्णय लिया गया कि उक्त कमेटी के सदस्य शमशान घाट की देखरेख कर रहे कर्मचारी से व्यवस्था सुधारने हेतु वार्तालाप करेगी।

### ये रहे मौजूद

इस मौके पर उपप्रधान सूरज अग्रवाल, महामंत्री रवि गर्ग, मंत्री कृष्ण कंछल, कोषाध्यक्ष प्रवीन बंसल, पूर्व प्रधान सत्यनारायण गुप्ता, बद्री प्रसाद गर्ग, संदीप गुप्ता, रामानंद अग्रवाल, सुभाष चंद्र गर्ग, नरेश बंसल, श्यामसुंदर गर्ग, नवीन बंसल, प्रमोद कुमार सिंघल, शिवशंकर अग्रवाल, हरीश कुमार, गीता गोयल, रामजीलाल मित्तल, सतीश कुमार, भगवान दास, बजरंग लाल अग्रवाल, केदारनाथ गर्ग, सुदर्शन बंसल, रविंद्र गर्ग, संजय गोयल, राकेश गर्ग, महावीर जैन, रामगोपाल मित्तल, सुरेंद्र अग्रवाल मैनेजर अग्रवाल सभा आदि मौजूद थे।